रांची, शनिवार
08.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 247, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी से मिले सुखबीर बादल, पंजाब में शिअद और बीजेपी गठबंधन की अटकलें तेज

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद पंजाब की राजनीति में शिअद और भारतीय जनता पार्टी के बीच संभावित चुनावी गठबंधन को लेकर चचाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री से सुखबीर की मुलाकात संसद भवन में हुई और करीब 20 मिनट तक चली। हालांकि, भाजपा और अकाली दल दोनों में से किसी ने भी बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया, लेकिन सुखबीर बादल के साथ मौजूद नेताओं ने इसे अनौपचारिक मुलाकात बताया और बातचीत के विषयों का खुलासा नहीं किया। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पार्टियां 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई हैं। शिअद और भाजपा करीब 23 वर्षों तक सहयोगी रहे और दोनों ने पंजाब में तीन बार मिलकर सरकार बनाई। हालांकि, सितंबर 2020 में केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को लेकर मतभेदों के बाद अकाली दल ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग होने का फैसला किया था।

उपराष्ट्रपति आज और कल अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के दौरे पर जाएंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 08 और 09 अगस्त को दो दिवसीय अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह श्री विजयपुरम स्थित सेल्युलर जेल राष्ट्रीय स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार उपराष्ट्रपति 08 अगस्त को श्री विजयपुरम स्थित सेल्युलर जेल राष्ट्रीय स्मारक पहुंचेंगे, जहां वह शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, स्वातंत्र्य ज्योति पर सम्मान प्रकट करेंगे और वीर सावरकर की कोठरी का अवलोकन करेंगे। इसके बाद वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान पर आधारित लाइट एंड साउंड शो भी देखेंगे। दौरे के दूसरे दिन 09 अगस्त को उपराष्ट्रपति श्री विजयपुरम के फ्लैग प्वाइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेंगे। इसके बाद वह डॉ. बी. आर. आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'तिरंगा कॉन्सर्ट ऑन वंदे मातरम' में शामिल होंगे।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी : हेमन्त सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वन महोत्सव कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। जब तक आमजन इस दिशा में सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएंगे, तब तक जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का प्रभावी समाधान संभव नहीं होगा। उन्होंने सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और हरित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 77 वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 में बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन व उनकी धर्मपत्नी कल्पना सोरेन ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच पौधारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने ने राज्यवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन विश्व की सबसे गंभीर और चिंताजनक चुनौतियों में से एक बन चुका है। इसके प्रभाव अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों, जैव विविधता और समग्र विकास प्रक्रिया पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प भी ले।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी सबसे प्रभावी माध्यम है। यदि राज्य का प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो आने वाले समय में झारखंड हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल बन सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में विभिन्न अभियान के तहत लगाए गए पौधों की स्थिति का वे स्वयं जायजा लेंगे। साथ ही, पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं और समुदायों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशु-पक्षियों, वन्यजीवों और अन्य जीव-जंतुओं को भी इसका भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्राकृतिक आवासों में बदलाव, जल स्त्रोतों का प्रभावित होना तथा पर्यावरणीय असंतुलन जैव विविधता के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय और पारंपरिक वृक्ष प्रजातियों का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल हरित आवरण में वृद्धि होगी, बल्कि भूजल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता, स्वच्छ वायु और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को भी मजबूती मिलेगी।

77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव-2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री ने वन संरक्षण, संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण तथा सामुदायिक वन प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राज्य के विभिन्न वन प्रमंडलों से चयनित 20 वन मित्रों एवं समिति प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित व्यक्तियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित झारखंड के निर्माण में इनकी भूमिका प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन, सचिव अबू बकर सिद्दीकी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजीव कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक विश्वनाथ शाह, एटी मिश्रा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वेंकटेश लू, जब्बेर सिंह, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एसआर नेटेशा सहित वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जेपीएससी-जेएसएससी मामले में आंदोलनरत छात्रों और सरकार के बीच पहली वार्ता सकारात्मक

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी स्थित स्टेट हाउस में आंदोलनरत छात्रों और झारखंड सरकार के मंत्रियों की कमेटी के बीच शुक्रवार शाम वार्ता हुई। सरकार के मंत्रियों में सुदिव्य कुमार, दीपिका सिंह, चमरा लिंडा ने छात्रों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना। इसके बाद सुदिव्य कुमार ने कहा कि छात्रों की सभी मांगें सुनी गई हैं, इसपर कमिटी सोच विचार करेगी। छात्रों ने भी कहा कि मंत्रियों ने उनकी बातें सुनीं हैं।

बैठक के बाद जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच के छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के मंत्रियों के साथ हुई वार्ता के बाद अपना बयान जारी किया।छात्र प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बैठक के दौरान जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े सभी मुद्दों और मांगों का विस्तृत आधार मंत्रियों के समक्ष रखा गया। छात्रों ने विस्तार से बताया कि उनकी मांगें किन तथ्यों और परिस्थितियों पर आधारित हैं। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, मंत्रियों ने छात्रों की सभी बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि उनके तर्क उचित हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्रों की सभी मांगों और प्रस्तुत तथ्यों को मुख्यमंत्री तक पूरी संवेदनशीलता के साथ पहुंचाया जाएगा।

छात्र प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि सरकार ने भी माना कि यह मामला केवल वर्तमान अभ्यर्थियों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सरकार की ओर से मांगों पर सकारात्मक पहल और उचित कार्रवाई का भरोसा दिया गया है।

हालांकि, छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया कि केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त तक जेपीएससी और जेएसएससी से संबंधित सभी प्रमुख मांगों पर ठोस निर्णय लेकर उन्हें लागू किया जाना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती है, तो पहले से घोषित विधानसभा घेराव कार्यक्रम तय समय पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह घेराव पूरी ताकत, एकजुटता और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। छात्रों ने दोहराया कि जब तक उनकी सभी प्रमुख मांगों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

छात्र प्रतिनिधियों में रवीन्द्र पासवान, पीयूष कुमार, राजेश प्रसाद, नीतू कुजूर अंकित राज, कार्तिक सोरेन, शालू कुमारी, रवींद्र कुमार रवि, आनंद कुमार और अंकित कुमार शामिल थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधी राखी, दिया सद्भावना का संदेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की निदेशक ब्रह्माकुमारी निर्मला, सहयोगी इंदु साबू, प्रदीप कुमार एवं सुनैना कुमारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी निर्मला ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को रक्षासूत्र (राखी) बांधकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने सावन मास एवं रक्षाबंधन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पवित्रता, प्रेम, भाईचारे, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। साथ ही राज्य की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ब्रह्माकुमारी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रसार के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

हंगामे के बीच एमएसएमई संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित, संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 10 अगस्त तक स्थगित

नई दिल्ली। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा ने शुक्रवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके बाद लगातार जारी शोर-शराबे और नारेबाजी के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 10 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि 09 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ है। वर्ष 1942 में इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देशवासियों को ह्यकरो या मरोह्न का मंत्र दिया था। भारत छोड़ो आंदोलन देश की एकता, अदम्य साहस तथा अन्याय के विरुद्ध सत्य और अहिंसा पर आधारित संघर्ष का अमर प्रतीक है। इसके बाद विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

12 बजे सदन की बैठक दोबारा शुरू होने पर हंगामे के बीच सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा पेश किया गया सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कराया गया। यह विधेयक पहले ही राज्यसभा से पारित हो चुका था। संशोधन के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) के लिए चालान भुगतान के निपटारे के लिए टीआरईडीएस मंच का उपयोग अनिवार्य किया गया है। साथ ही मध्यस्थता और पंचाट की प्रक्रिया के लिए 90 दिन की समय-सीमा तय की गई है। यदि किसी निर्णय को अदालत में छह महीने से अधिक समय तक चुनौती दी जाती है तो संबंधित एमएसएमई आपूर्तिकर्ता को कम-से-कम 50 प्रतिशत राशि जारी करने का प्रावधान किया गया है। विधेयक में स्वैच्छिक राष्ट्रीय डिजिटल पंजीकरण मंच, छोटे उल्लंघनों के अपराधमुक्तिकरण तथा निवेश और कारोबार के आधार पर एमएसएमई वर्गीकरण के लिए अधिक लचीली व्यवस्था का भी प्रावधान है।

हंगामे के बीच झारखंड विधानसभा में 8,399 करोड़ रुपये का प्रथम अनुपूरक बजट पेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विपक्ष के हंगामे के बीच वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट का कुल आकार 8,399 करोड़ 31 लाख 11 हजार रुपये है।

विधानसभा में बजट पेश किए जाने के दौरान विपक्षी सदस्य जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर लगातार नारेबाजी करते रहे। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री ने अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा।

सरकार के अनुसार, अनुपूरक बजट पर सदन में विस्तृत चर्चा चालू सत्र के दौरान इसके पारित होने से पहले कराई जाएगी। इसके अलावा हंगामे के बीच विधानसभा की विभिन्न समितियों की रिपोर्ट भी सदन के पटल पर प्रस्तुत की गई।kउल्लेखनीय है कि लगातार हंगामे और नारेबाजी के कारण विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

आदिवासी महोत्सव में फिल्म फेस्टिवल और मास्टर क्लास का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएफएफडीसीएल) की ओर से आगामी आदिवासी महोत्सव-2026 के तहत 09 अगस्त को रांची में मोराबादी मैदान विशेष फिल्म फेस्टिवल एवं मास्टर क्लास का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण, दृश्य कथानक (विजुअल स्टोरीटेलिंग) और मीडिया उद्योग की बारीकियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

इस संबंध में झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति को पत्र भेजकर कार्यक्रम में सहभागिता का आमंत्रण दिया है। साथ ही विश्वविद्यालय से जनसंचार, पत्रकारिता, मीडिया स्टडीज, फिल्म स्टडीज, परफॉर्मिंग आर्ट्स, विजुअल कम्युनिकेशन एवं संबंधित विषयों के कम से कम 50 विद्यार्थियों को नामित कर कार्यक्रम में भेजने का अनुरोध किया गया है।

फिल्म फेस्टिवल के दौरान आदिवासी जीवन, स्वदेशी संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और उत्कृष्ट सिनेमा पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं फिल्म मेकिंग एंड करियर ऑपर्च्युनिटीज इन द फिल्म इंडस्ट्री विषय पर विशेष मास्टर क्लास आयोजित होगी। इसका संचालन सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई), कोलकाता के विशेषज्ञ एवं प्राध्यापक करेंगे।

मास्टर क्लास में प्रतिभागियों को फिल्म निर्माण की मूलभूत तकनीक, विजुअल स्टोरीटेलिंग, पटकथा लेखन, निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी, संपादन, साउंड डिजाइन और फिल्म, टेलीविजन, ओटीटी और डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री में उभरते करियर अवसरों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही सिनेमा एवं मीडिया के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और रोजगार की संभावनाओं पर भी विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे।

झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का मानना है कि यह कार्यक्रम युवाओं को फिल्म एवं मीडिया उद्योग की व्यावहारिक समझ विकसित करने के साथ-साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति के नए अवसर प्रदान करेगा। आदिवासी महोत्सव के दौरान आयोजित यह पहल राज्य के युवा मीडिया एवं फिल्म विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सीखने और करियर निर्माण का मंच साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि विगत 22 जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में झारखंड राज्य फिल्म विकास निगम एवं सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट कोलकाता के बीच स्थानीय सूचना भवन में फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना को लेकर एमओयू (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया था।

हथकरघा क्षेत्र के सतत विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों का समुचित उपयोग आवश्यक : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हथकरघा क्षेत्र के सतत विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों का समुचित उपयोग आवश्यक है। युवाओं, डिजाइनरों और स्टार्टअप्स को पारंपरिक शिल्प को आधुनिक रुझानों, ब्रांडों और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़कर इस क्षेत्र में नए अवसर सृजित करने चाहिए।

राष्ट्रपति ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में संत कबीर हथकरघा पुरस्कार तथा राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार-2025 प्रदान किए। इस अवसर पर भारत की समृद्ध और विविध हथकरघा परंपराओं को समर्पित चार स्मारक डाक टिकट भी जारी किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हथकरघा सदियों से भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहा है। यह देश की विविधता और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को संरक्षित करने के साथ-साथ रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण, कला एवं संस्कृति के संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि हथकरघा का भारत के स्वतंत्रता संग्राम और आत्मनिर्भरता की भावना से भी गहरा संबंध रहा है। उन्होंने कहा कि 07 अगस्त 1905 को बंग-भंग के विरोध में स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक शुरूआत हुई थी, जिसका उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं, घरेलू उद्योगों और विशेष रूप से देश के हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करना था।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ी सौगात: रांची के हिनू में एलिमको के पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय का हुआ शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची: दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों तक सहायक उपकरणों और पुनर्वास सेवाओं की पहुंच को आसान, त्वरित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधीन कार्यरत सार्वजनिक उपक्रम 'आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' के पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय का भव्य शुभारंभ रांची के हिनू में किया गया।

यह नया क्षेत्रीय कार्यालय पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देश के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपनी सेवाएं प्रदान करेगा। लगभग ?277 करोड़ के अनुमानित सेवा दायरे के तहत करीब 2.50 लाख दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों तक उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरणों और पुनर्वास सेवाओं की सीधी पहुंच सुनिश्चित होगी। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और अंतिम छोर तक सेवा वितरण को नई रफ्तार मिलेगी।

निर्णय प्रक्रिया होगी तेज, दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचेगी मोबाइल सर्विस वैन

उद्घाटन के अवसर पर ALIMCO के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार ने कहा कि रांची में क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना विकेंद्रीकृत सेवा मॉडल की दिशा में मील का पत्थर है। क्षेत्रीय कार्यालयों को अधिक अधिकार मिलने से निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और लाभार्थियों को समय पर सहायता मिल सकेगी।

उन्होंने बताया कि देश में वर्तमान में 107 'प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र' संचालित हो रहे हैं, जिनके माध्यम से अब तक 3 लाख से अधिक लाभार्थियों को 500 करोड़ से अधिक के उपकरण वितरित किए जा चुके हैं। भविष्य में हर जिले तक इन केंद्रों का विस्तार किया जाएगा।

इसके साथ ही, उन्होंने निगम द्वारा विकसित नई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्कूटी, अत्याधुनिक तकनीकों और बजट में घोषित 'असिस्टिव टेक्नोलॉजी मार्ट' का जिक्र किया। उन्होंने घोषणा की कि रांची कार्यालय से एक 'मोबाइल सर्विस वैन' भी चलाई जाएगी, जो सुदूर और दुर्गम इलाकों में जाकर मरम्मत और तकनीकी सहायता प्रदान करेगी।

पूर्वी क्षेत्रीय प्रमुख अनुपम प्रकाश ने बताया कि रांची का भौगोलिक स्थान पूरे पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद उपयुक्त है। इससे राज्य सरकारों और विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

समारोह में झारखंड सरकार के समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधियों और समग्र क्षेत्रीय केंद्र रांची के निदेशक ने इस पहल का स्वागत करते हुए पूर्ण सहयोग, पुनर्वास, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में एलिमको के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वेतन समझौते पर टला फैसला तो सड़क पर उतरेंगे कोयला मजदूर

10 अगस्त को एनके एरिया जीएम कार्यालय के सामने होगा शक्ति प्रदर्शन, 12 अगस्त को कोल इंडिया मुख्यालयों पर आंदोलन की तैयारी

बिभा संवाददाता

खलारी। 12वें वेतन समझौते को लेकर कोयला मजदूरों का इंतजार अब आंदोलन की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। समझौते की अधिसूचना जारी नहीं होने से नाराज संयुक्त ट्रेड यूनियनों ने एनके एरिया में आंदोलन को धार देना शुरू कर दिया है।इसी कड़ी में केडीएच पिट कार्यालय और केडीएच वर्कशॉप के समीप गेट मीटिंग आयोजित कर मजदूरों को आगामी आंदोलन की रणनीति से अवगत कराया गया।गेट मीटिंग में यूनियन नेताओं ने कहा कि एक जुलाई 2026 से 12वें वेतन समझौते का लाभ मजदूरों को मिलना चाहिए था, लेकिन अभी तक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। उनका कहना था कि वेतन समझौते को लेकर लगातार बनी असमंजस की स्थिति से मजदूरों में बेचैनी और आक्रोश है।नेताओं ने कहा कि 12वें वेतन समझौते को नये श्रम कानूनों के प्रावधानों से जोड़कर लागू करने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी। ट्रेड यूनियनों का रुख स्पष्ट है कि पहले वेतन समझौते की अधिसूचना जारी कर उसे लागू किया जाए, इसके बाद नये श्रम कानूनों को लेकर अलग से बातचीत की जाए।

संयुक्त मोर्चा ने घोषणा की कि 10 अगस्त की सुबह 10 बजे एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल औपचारिकता नहीं होगा, बल्कि प्रबंधन तक मजदूरों की एकजुट आवाज पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने सभी विभागों और परियोजनाओं में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।इसके साथ ही 12 अगस्त को कोल इंडिया के सभी मुख्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किए जाने की जानकारी दी गई। नेताओं ने कहा कि जब तक मजदूरों से जुड़े जायज मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं होती, आंदोलन को आगे भी तेज किया जाएगा।गेट मीटिंग का संचालन गोल्डेन प्रसाद यादव ने किया। इस दौरान प्रेम कुमार, बीएन पांडे, शैलेश कुमार, सुनील कुमार सिंह, सुधीर राय, हरेंद्र कुमार सिंह, रामलखन गंझू, दिनेश भार, इरफान खान, तोहिर आलम, जडेज खान, जीके साहू, उदय कुमार सिंह, तिला महतो, पजू महतो और देव शंकर मंडल सहित अन्य ट्रेड यूनियन नेता एवं मजदूर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

श्री गणेश पूजा महोत्सव के पंडाल का हुआ नींव पूजन

रांची(बिभा): न्यू स्टार नवयुवक संघ श्री गणेश पूजा समिति, सामलौंग मेला टांड़ मैदान के तत्वावधान में आगामी श्री गणेश पूजा महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शुक्रवार को शाम चार बजे समिति की ओर से विधि-विधान के साथ पूजा पंडाल का नींव पूजन किया गया। नींव पूजन कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की गई। समिति के अध्यक्ष नवीन साहू ने बताया कि इस वर्ष श्री गणेश पूजा महोत्सव भव्य और आकर्षक रूप से मनाया जाएगा। पूजा पंडाल के निर्माण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या और प्रसाद वितरण समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से पूजा महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे।

इटकी में जमीयत उल मोमिनीन के त्रिवार्षिक चुनाव की तैयारियां पूरी, चुनाव समिति ने जारी की आचार संहिता

इटकी(बिभा)। अंसारी पंचायत के प्रमुख सामाजिक संगठन जमीयत उल मोमिनीन के आगामी 9 अगस्त को होने वाले त्रिवार्षिक चुनाव को लेकर चुनाव समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया गया तथा चुनाव में भाग ले रहे उम्मीदवारों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश (गाइडलाइन) जारी किए गए। चुनाव समिति के कन्वेनर शहाब हमजा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया गया कि जमीयत उल मोमिनीन एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य समाज में एकता, सामाजिक विकास और तरक्की को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि चुनाव समिति पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चुनाव समिति ने सभी उम्मीदवारों से अपील की कि वे चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी प्रकार के असंवैधानिक या अनैतिक तरीके, जैसे धनबल, प्रलोभन, लालच अथवा अन्य अनुचित साधनों का प्रयोग न करें। समिति ने स्पष्ट किया कि यदि कोई उम्मीदवार ऐसे कृत्यों में संलिप्त पाया जाता है, तो इसे चुनाव समिति के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन माना जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। समिति ने मतदाताओं से भी विवेकपूर्ण ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा अधिक से अधिक संख्या में निर्धारित समय पर मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करने की अपील की, ताकि संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। चुनाव समिति के अनुसार 9 अगस्त को सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू की जाएगी और रात्रि 10:00 बजे तक चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। बैठक में चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए चुनाव समिति के कन्वेनर शहाब हमजा, नायब कन्वेनर हाफिज तस्लीम रजा एवं हाफिज शोएब अंजुम सहित 13 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य वसीम इकबाल पम्मू, शारिक जमाल, मास्टर अली हसन, दानिश निजाम, अहमद अंसारी, मोहम्मद राशिद, अब्दुल रज्जाक, मोहम्मद फरीद, अब्दुल रज्जाक राजू, अबू हसन, अबू रेहान, रजा नूर मून, जीशान अफसर, मोहम्मद नौशाद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डीपीएस रांची में अंतर डीपीएस क्विज प्रतियोगिता (जोन-4) का आयोजन

रांची (बिभा): दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची में 07 अगस्त 2026 को दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी के तत्वावधान में अंतर डीपीएस क्विज प्रतियोगिता (जोन-4) का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 23 डीपीएस विद्यालयों के 90 मेधावी विद्यार्थियों और 36 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता दो वर्गों– जूनियर (कक्षा 6 से 8) और सीनियर (कक्षा 9 से 12)–में आयोजित की गई। समापन समारोह में डीपीएस सोसाइटी की डायरेक्टर डॉली चन्ना, मुख्य अतिथि प्रो. गजेन्द्र प्रसाद सिंह (सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड) तथा प्रख्यात क्विज मास्टर आदित्य नाथ मुबायी व कामरान अकरम अंसारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए विद्यार्थियों के ज्ञान और बौद्धिक क्षमता की सराहना की।

सीसीएल की जमीन में सुरंग खोदकर कोयले की लूट!

115.260 टन अवैध कोयला बरामद

बिभा संवाददाता

खलारी। सीसीएल की जमीन के नीचे सुरंग बनाकर कोयले की चोरी का बड़ा खेल चल रहा था। जमीन के ऊपर सब कुछ सामान्य दिख रहा था, लेकिन नीचे सुरंग बनाकर कोयले का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। सीआईएसएफ ने कुज्जू के टोपा क्षेत्र में इस अवैध खनन के ठिकाने का भंडाफोड़ करते हुए 115.260 टन अवैध कोयला बरामद किया है। इतनी बड़ी मात्रा में कोयले की बरामदगी से अवैध खनन के नेटवर्क पर सवाल खड़े हो गए हैं।सीसीएल की संपदा को नुकसान पहुंचाकर चल रहे इस खेल की सूचना मिलने के बाद सीआईएसएफ ने तत्काल कार्रवाई की। कमांडेंट अमित कुमार के निर्देशन में टीम ने पूरे इलाके को घेरकर सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान सीसीएल की जमीन के भीतर बनाई गई अवैध सुरंग सामने आई। सुरंग के जरिए कोयला निकालकर आसपास जमा किए जाने के प्रमाण भी मिले।मौके पर बड़ी मात्रा में कोयला जमा था। टीम ने पूरे क्षेत्र की जांच के बाद कोयले को अपने कब्जे में लिया। वजन करने पर बरामद कोयले की मात्रा 115.260 टन निकली। कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध खनन से जुड़े लोगों के बीच खलबली मच गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सीसीएल की भूमि के भीतर सुरंग बनाकर व्यवस्थित तरीके से कोयला निकाला जा रहा था। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि अवैध खनन करने वालों ने जमीन के नीचे बाकायदा रास्ता तैयार कर रखा था। सुरंग का इस्तेमाल कोयला निकालने के लिए किया जा रहा था।कार्रवाई का नेतृत्व सीआईएसएफ के उप कमांडेंट अजय कुमार पांडे ने किया। टीम में इंस्पेक्टर संतोष बिन्हा, एसआई अनिल कुमार राय, एएसआई सत्येन्द्र कुमार, एचसी/जीडी टी. एल. मैती, बिबेक झा सहित सीआईएसएफ के जवान शामिल थे।अभियान में सीसीएल कुज्जू के जीएम राजीव कुमार सिन्हा, अजीत कुमार सिंह, टोपा के डिस्पैच ऑफिसर निलेश कुमार, कुज्जू के एएसओ तबरेज आलम सहित खानन विभाग के अधिकारियों ने भी सहयोग किया।

सीआईएसएफ के अनुसार बरामद कोयले और अवैध खनन के मामले में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीसीएल की राष्ट्रीय संपदा को अवैध खनन और कोयला चोरी से बचाने के लिए सीआईएसएफ लगातार अभियान चला रही है। कुज्जू के टोपा में सुरंग का खुलासा और 115.260 टन कोयले की बरामदगी इस अभियान की बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।सीआईएसएफ ने साफ किया है कि सीसीएल की जमीन में अवैध खनन, कोयला चोरी और तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। अवैध सुरंगों और चोरी के ठिकानों की पहचान कर ऐसे नेटवर्क पर शिकंजा कसने की कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

रांची के डोरंडा और रानी बगान के कई इलाकों में 08 को रहेगी विद्युत आपूर्ति बाधित

रांची(बिभा)। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, डोरंडा के अंतर्गत बिरसा फीडर और हिनू फीडर के कुछ ट्रांसफार्मर के एलटी नंगे तार को एबी- केबल से बदलने के लिए इलाके में शनिवार की सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।इस दौरान राजधानी के जिन इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी उनमें प्रकाश नगर, बंधु नगर, गांधीनगर, हिनू एयरपोर्ट रोड, खोखमा टोली, मौसम विभाग, स्टेट हैंगर और आसपास का क्षेत्र शामिल है। यह जानकारी विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल,डोरंडा ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति में माध्यम से दी। वहीं विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल अंतर्गत आरएमसीएच के अधीन (आरडीएसएस) कार्य शनिवार को किए जाएंगे। इसलिए रांची के रानी बगान, बूटी मोर फीडर, -पावर हाउस-पानी टंकी और बूटी मोर फीडर से सुबह 10 बजे से शाम 04 बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। साथ ही पंचवटीपुरम पंकज मंडल (आईएएस) 01 नंबर ट्रांसफार्मर बंद रहेगा। बिजली विभाग की ओर से इन इलाकों में नंगे तार को कवर केबल किया जाएगा।

छोटी उम्र, बड़ा संकल्प: चुरी कॉलोनी के नन्हे कांवरिए फिर निकले बाबाधाम की पैदल यात्रा पर

बिभा संवाददाता

खलारी। सावन की भक्ति में खलारी का चुरी कॉलोनी भी पूरी तरह रंग गया है।भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था से ओत-प्रोत चुरी कॉलोनी से महिला, पुरुष और बच्चों का एक जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए रवाना हुआ।यात्रा शुरू करने से पहले श्रद्धालुओं ने चुरी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की और भगवान शिव के चरणों में शीश झुकाकर मंगलमय यात्रा की कामना की।इस जत्थे में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र नन्हे कांवरिए रहे।करीब 8 से 10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी इस कठिन पैदल यात्रा में शामिल हैं।खास बात यह है कि इन बच्चों के लिए सुल्तानगंज से देवघर तक पैदल कांवर यात्रा कोई नया अनुभव नहीं है। नन्हे श्रद्धालु इससे पहले भी कई बार सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर पैदल बाबाधाम पहुंच चुके हैं।श्रद्धालु पहले सुल्तानगंज पहुंचकर गंगा नदी से जल उठाएंगे, इसके बाद कांवर लेकर पैदल देवघर की ओर बढ़ेंगे। लंबी दूरी तय करने के बाद बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर पवित्र गंगाजल भगवान शिव को अर्पित करेंगे। बच्चों में भी इस यात्रा को लेकर खासा उत्साह है। उनके चेहरों पर थकान से ज्यादा बाबा के दर्शन और जलाभिषेक की खुशी नजर आ रही है।रवानगी के दौरान पूरा जत्था बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। भगवा वस्त्रों में सजे श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और यात्रा के लिए प्रस्थान किया। परिवार के बड़े सदस्यों के साथ छोटे बच्चों का भी कदम से कदम मिलाकर बाबाधाम की ओर बढ़ना लोगों के लिए आकर्षण का विषय बना रहा।जत्थे में अखिलेश चौहान, परमेश्वर मुंडा, सुनील कुमार, अर्पित कुमार और महेंद्र गंझू सहित महिला-पुरुष और बच्चे शामिल हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन में बाबा बैद्यनाथ के दरबार तक पैदल पहुंचकर गंगाजल अर्पित करना उनके लिए सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, संकल्प और बाबा के प्रति समर्पण का अवसर है।

लिवेन्स अकैडमी दिघीया में हर्षोल्लास से मना विश्व आदिवासी दिवस

बिभा संवाददाता

बेड़ो। दिघीया स्थित लिवेन्स अकैडमी में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस उत्साह, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ। इसके बाद नर्सरी से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों ने पारंपरिक नृत्य, फैशन शो, नाटक एवं नृत्य-नाटिका के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, परंपरा, प्रकृति प्रेम एवं सांस्कृतिक पहचान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, रीति-रिवाजों और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना तथा विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति पर गर्व करने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने अभिभावकों एवं अतिथियों की खूब वाहवाही बटोरी। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत विशेष सांस्कृतिक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा।

मुख्य अतिथि देवनीस तिग्गा ने विश्व आदिवासी दिवस के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों और अभिभावकों से आदिवासी संस्कृति, परंपराओं एवं मूल्यों के संरक्षण का आह्वान किया। विद्यालय के मैनेजर फादर रॉबर्ट ने विद्यार्थियों से अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। वहीं प्रधानाचार्या सिस्टर विनया ने विद्यार्थियों से अपनी जड़ों, संस्कृति एवं परंपराओं का सम्मान करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन कक्षा सात एवं आठ के विद्यार्थियों की भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुआ। अंत में विद्यालय परिवार ने अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार जताया।

डीएवी विवेकानंद बेड़ो की अंडर-19 खो-खो टीम बनी चैंपियन, गोल्ड पर जमाया कब्जा

सीबीएसई क्लस्टर- प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन, नेशनल के लिए किया क्वालीफाई; अंडर-17 गर्ल्स टीम ने हासिल किया तीसरा स्थान

बिभा संवाददाता/माजिद अंसारी

बेड़ो। के बिनय बगीचा स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल की अंडर-19 गर्ल्स खो-खो टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई क्लस्टर-ककक खो-खो प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। दिल्ली पब्लिक स्कूल, गिरिडीह में आयोजित प्रतियोगिता में टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल और ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ टीम ने नेशनल खो-खो प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

प्रतियोगिता में बिहार और झारखंड की कुल 116 टीमों ने हिस्सा लिया था। डीएवी विवेकानंद की अंडर-19 टीम ने शुरूआत से ही शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। फाइनल मुकाबले में टीम ने आदर्श डीएवी को हराकर चैंपियन का खिताब हासिल किया।

वहीं, स्कूल की अंडर-17 गर्ल्स टीम ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल के खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन से विद्यालय परिवार के साथ-साथ पूरे बेड़ो क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

उल्लेखनीय है कि डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल ने इस सीबीएसई प्रतियोगिता में दूसरी बार हिस्सा लिया था। अपने पहले प्रयास में टीम उपविजेता रही थी। इस बार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

प्रतियोगिता में डीएवी विवेकानंद की खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया। टीम की प्रतिभाशाली खिलाड़ी अंशु उरांव को टूनामेंट की 'बेस्ट प्लेयर' चुना गया। वहीं प्रिंसी उरांव को 'बेस्ट चेजर' के खिताब से सम्मानित किया गया।

टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने खुशी व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत बच्चों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासित लगन का परिणाम है। दूसरे ही प्रयास में गोल्ड मेडल जीतकर नेशनल के लिए क्वालीफाई करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने सीबीएसई की ओर से खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी दिए जाने पर आभार व्यक्त किया। साथ ही टीम के कोच जयंतो चौधरी, खिलाड़ियों एवं साथ गए शिक्षक निर्मला लकड़ा, आरती कुमारी और आदित्य कक्षप को उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए बधाई दी।

आईसीएआई रांची शाखा के सीए विद्यार्थियों ने किया डालमिया सीमेंट बोकारो का औद्योगिक भ्रमण

बिभा संवाददाता

रांची: दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की रांची शाखा की सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा शुक्रवार को डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, बोकारो में औद्योगिक भ्रमण (इंडस्ट्री विजिट) आयोजित किया गया। रांची शाखा के उपाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल और सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए हरेन्दर भारती के नेतृत्व में 20 सीए विद्यार्थियों ने संयंत्र का दौरा कर उत्पादन प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन और लेखांकन प्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। संयंत्र के प्लांट हेड सुनील कुमार भुसारी ने विद्यार्थियों का स्वागत कर पूरे प्लांट का भ्रमण कराया। वहीं, फाइनेंस हेड प्रदीप भट्टाचार्य ने उद्योग में आंतरिक नियंत्रण, लागत प्रबंधन और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका की विस्तृत जानकारी दी। इस आयोजन में महाप्रबंधक सीए प्रवीण का विशेष सहयोग रहा। सीए हरेन्दर भारती ने कहा कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के अकादमिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़कर उनके व्यावसायिक कौशल को निखारते हैं।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा गड़बड़ी को लेकर विधानसभा में हंगामा, कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी का मुद्दा छाया रहा। विपक्षी सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के कारण विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12.30 बजे तक और बाद में सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र और युवा बारिश के बीच सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। राज्य में जेपीएससी की जितनी भी परीक्षाएं हुई हैं, उनमें गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। इसी तरह जेएसएससी की परीक्षाओं में भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं।

मरांडी ने राज्य सरकार से जेपीएससी और जेएसएससी की सभी परीक्षाओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अनुपूरक बजट पेश होने के बाद सत्र का पर्याप्त समय बचा हुआ है। इसलिए इस मुद्दे पर बाद में भी चर्चा कराई जा सकती है। वहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि छात्रों की मांगों के साथ सत्ता पक्ष भी खड़ा है।

इसी दौरान विपक्षी सदस्य सदन के वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सदस्यों से शांत रहने और अपनी-अपनी सीट पर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष की बात भी पूरी तरह नहीं सुनी है। अध्यक्ष ने भाजपा विधायकों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि फिलहाल खेती-किसानी का समय है और इससे जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सदन में चर्चा जरूरी है। हालांकि, विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

दोपहर करीब 12.35 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने विपक्ष के हंगामे को गैरजरूरी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश के छात्रों के हित में काम कर रही है, लेकिन विपक्ष छात्रों के मुद्दे को बहाना बनाकर सदन में हंगामा कर रहा है।

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने शून्यकाल की सभी सूचनाओं को पढ़ा हुआ मानते हुए संबंधित विभागों को भेजने का निर्देश दिया। इसके बाद विपक्षी सदस्य एक बार फिर वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए हंगामा करने लगे।

लगातार हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

रांची विश्वविद्यालय में एनईपी- 2020 के तहत परीक्षा सुधार और शैक्षणिक मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

रांचीः रांची विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ब्लॉक स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी -2020) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर परीक्षा सुधार एवं शैक्षणिक मूल्यांकन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ को परीक्षा प्रणाली, शैक्षणिक मूल्यांकन और गुणवत्ता संवर्धन के लिए मार्गदर्शन एवं सुझाव प्रदान करना था।

बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सह कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान एस. रावत ने की। इस अवसर पर इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन धमीजा, किरोड़ीमल कॉलेज के डॉ. अमित सुमन, एनआईओएस नोएडा के निदेशक डॉ. टी.एन. गिरी तथा प्रो. महापात्रा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत IQAC के निदेशक डॉ. ए.के. डेल्टा ने किया। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय में गुणवत्ता संवर्धन, परीक्षा सुधार, संस्थागत उत्कृष्टता और प्रत्यायन जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने रांची विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म और वेबसाइट को अद्यतन व पारदर्शी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर आर.एल.एस.वाई. कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विष्णु चरण महतो, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजय सिंह सहित क्ष्दअउ के सदस्य डॉ. शिप्रा, डॉ. स्मृति सिंह, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. विनोद महतो एवं डॉ. शीत निहाल उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्मृति सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गे राणा राहुल सिंह के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तहार

रांची(बिभा): गैंगस्टर प्रिंस खान गिरोह के खिलाफ जारी कड़ी कार्रवाई के तहत रांची पुलिस ने उसके करीबी गुर्गे राणा राहुल सिंह पर शिकंजा कसा है। अदालत के आदेश पर पुलिस ने शुक्रवार को लालपुर थाना क्षेत्र स्थित उसके आवास पर इश्तहार चस्पा किया और उसे निर्धारित समयावधि के भीतर अदालत में हाजिर होने की चेतावनी दी। एयरपोर्ट थाना प्रभारी पंकज शर्मा के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने ढोल-नगाड़ों के साथ राणा राहुल सिंह के घर पर मुनादी कराई। इस दौरान सार्वजनिक रूप से न्यायालय के आदेश का ऐलान करते हुए परिजनों और स्थानीय लोगों को इसकी सूचना दी गई।

9वीं राज्य सब जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी

रांची(बिभा)। 9वीं राज्य सब जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता का आयोजन 9 अगस्त 2026 को जिला स्कूल परिसर, रांची में किया जाएगा। प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष उदय साहू ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से सब जूनियर बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में आयोजित होने वाली सब जूनियर राष्ट्रीय सेपक टकरा प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम का चयन किया जाएगा। उदय साहू ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण, तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति,उपकरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्य के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

छात्रों के नाम पर राजनीति कर रही भाजपा, हेमंत सरकार दोषियों को जेल भेजने का कर रही कामः ऋषीकेश सिंह

रांची(बिभा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सचिव सह प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा छात्रों के नाम पर केवल राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि JPSC और JSSC मामलों में हेमंत सरकार दोषियों को बचाने नहीं, बल्कि जेल भेजने का काम कर रही है। पूरे मामले की सीआईडी जांच जारी है, पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ हो रही है और अब तक 19 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ऋषीकेश सिंह ने बताया कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है। 14वीं JPSC मुख्य परीक्षा स्थगित कर दी गई है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच की आंच चाहे किसी तक भी पहुंचे, कार्रवाई में कोई ढिलाई न हो। कांग्रेस शुरू से आंदोलनरत छात्रों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने छात्रों से संवाद के लिए मंत्रियों का समूह गठित किया है, वहीं राहुल गांधी ने भी छात्रों से फोन पर बात कर उनकी जायज मांगों पर त्वरित व पारदर्शी कार्रवाई का भरोसा दिया है।

डीएसपीएमयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

रांची(बिभा)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में शैक्षणिक सत्र 2026 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभाग, पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालय की परंपराओं तथा पत्रकारिता के विभिन्न आयामों से परिचित कराना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। इस अवसर पर नैनी मिश्रा ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान ने 185 वर्षों की समृद्ध शैक्षणिक यात्रा पूरी की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1839 में इसकी शुरूआत एक सरकारी विद्यालय के रूप में हुई थी तथा वर्ष 2018 में इसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक प्रणव प्रियदर्शी, दिवाकर सिंह, शंभू नाथ चौधरी, रवि प्रकाश एवं दीप्ति गौरव उपस्थित रहे। रवि प्रकाश ने पाठ्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इसका लक्ष्य विद्यार्थियों में मीडिया साक्षरता, विषयगत विशेषज्ञता तथा रोजगारोन्मुख दक्षता का विकास करना है। वहीं दीप्ति गौरव ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, अध्ययन पद्धति तथा आगामी शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

जेपीएससी-जेएसएससी कथित धांधली के विरोध में राजग विधायकों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के मामलों को लेकर विधानसभा परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफे की मांग की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के विधायक हाथों में तख्तियां लेकर विधानसभा परिसर के बाहर पहुंचे। उन्होंने सरकार पर राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। विधायकों ने कहा कि जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने में गंभीरता नहीं दिखा रही है।

विपक्षी विधायकों ने कहा कि छात्रों की जायज मांगें ही विपक्ष की भी मांगें हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में केवल पेपर लीक का मामला नहीं है, बल्कि नौकरियों और प्रश्नपत्रों की कथित खरीद-फरोख्त तक की स्थिति बन गई है। विपक्ष ने सरकार से भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

प्रदर्शन के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मीडिया से बातचीत में राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कौन-सी नौकरी कितने रुपये में बिक रही है, इसकी चर्चा अब आम लोगों के बीच भी होने लगी है।

मरांडी ने कहा कि राज्य के युवा रोजगार की उम्मीद में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों के कारण उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से इस पूरे मामले में जवाब देने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं और कथित भर्ती अनियमितताओं के मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात करनी चाहिए। मरांडी ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री उनकी बात नहीं सुनते हैं, तो कांग्रेस को ऐसी कथित भ्रष्ट सरकार से तत्काल अलग हो जाना चाहिए।

राजग विधायकों ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़ी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा विधानसभा के मानसून सत्र में भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। विपक्ष ने सरकार से युवाओं के हित में स्पष्ट जवाब देने और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की है।

बाबूलाल मरांडी ने अस्पताल पहुंचकर अनशनकारी छात्रों का जाना हाल, सरकार पर साधा निशाना

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को सदर अस्पताल पहुंचकर जेपीएससी-जेएसएससी में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच और युवाओं के अधिकारों की मांग को लेकर अनशन कर रहे छात्रों राहुल क्रांति और ब्रजकिशोर का हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से दोनों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके संघर्ष के प्रति समर्थन जताया।

दोनों छात्र पिछले 14 दिनों से आंदोलनरत हैं। बताया गया कि शुक्रवार को राहुल क्रांति की तबीयत अचानक अधिक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। वहीं, कोडरमा के छात्र ब्रजकिशोर भी लगातार बारिश में धरना देने के कारण अस्वस्थ बताए गए हैं।

मरांडी ने दोनों छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सरकार की कथित असंवेदनशीलता के कारण उन्हें अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को अभी लंबी लड़ाई लड़नी है।

मरांडी ने राहुल क्रांति के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि छात्र ने परीक्षा दी थी और अच्छे अंक प्राप्त करने के बावजूद उसका चयन नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में परीक्षा परिणाम अलग-अलग चरणों में जारी किए जाते हैं। उनके अनुसार, राहुल ने परिणाम को लेकर उच्च न्यायालय का रुख किया था और वहां से डिग्री मिलने के बावजूद जेएसएससी ने उन्हें नौकरी नहीं दी। उन्होंने कहा कि अब सरकार और जेएसएससी ने उच्च न्यायालय की डबल बेंच में अपील की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि सरकार संवेदनशील होती तो उच्च न्यायालय के फैसले के बाद जेएसएससी राहुल का साक्षात्कार लेकर उन्हें नियुक्त कर सकती थी। उन्होंने आशंका जताई कि डबल बेंच में भी छात्र के पक्ष में फैसला आने पर मामला उच्चतम न्यायालय तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्र पढ़ाई करें या वर्षों तक मुकदमा लड़ें, यह गंभीर सवाल है।

मरांडी ने मांग की कि जेपीएससी और जेएसएससी के अध्यक्ष, परीक्षा नियंत्रक, सचिव समेत महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

छात्रों के धैर्य से खिलवाड़ न करे सरकार : देवेंद्रनाथ महतो

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं धांधली के विरोध में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित धरना स्थल पर दो टूक कहा कि सरकार छात्रों के सब्र की परीक्षा लेकर अराजकता को निमंत्रण न दे, नहीं तो स्थिति भयावह हो सकती है। छात्र लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। सरकार को सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लेने के बजाय लगातार टालने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे अभ्यर्थियों में निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि आंदोलनरत छात्र किसी टकराव के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि निष्पक्ष जांच, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और न्यायपूर्ण निर्णय की मांग कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वह छात्रों की जायज मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय ले और संवाद के माध्यम से समाधान निकाले। यदि समय रहते पहल नहीं की गई, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि राज्य के हजारों युवा रोजगार और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया की उम्मीद में वर्षों से तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को उनके धैर्य और विश्वास की लगातार परीक्षा लेने के बजाय संवेदनशीलता के साथ उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अराजक स्थिति उत्पन्न न हो।

नामकुम में कांग्रेस का मिलन समारोहः कई दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

बिभा संवाददाता

नामकुम (रांची): नामकुम प्रखंड में आयोजित कांग्रेस मिलन समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों के कई प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा, आजसू और जेएलकेएम समेत अन्य संगठनों के नेताओं ने कांग्रेस की नीतियों पर भरोसा जताया।

कांग्रेस में शामिल होने वाले मुख्य नेताओं में भाजपा नेता मनोज सिंह, बिक्कू सिंह, रमेश मुंडा, शारदा सिंह, अनिल वर्मा, आजसू से पूर्व नामकुम प्रमुख रीता रजनी कुजूर, पूर्व प्रमुख पुष्पा तिर्की, अधिवक्ता एसोसिएशन अध्यक्ष सीपी शर्मा, नीरा देवी (वीर नारी सेना), दिनेश कुमार प्रजापति, दिलीप महतो, हुवांगहातु पंचायत के मुखिया विवेक मुंडा और पार्षद अमित मुंडा शामिल हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड कांग्रेस के सह-प्रभारी श्रीबेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने नए सदस्यों को माला व कांग्रेस का पट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि विभिन्न दलों के नेताओं का कांग्रेस में शामिल होना यह दशार्ता है कि जनता का विश्वास पार्टी की नीतियों और जनहित के कार्यों पर लगातार बढ़ रहा है। समारोह में पार्टी के कई विधायक, वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रांची में होगी 55वीं अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता, सीसीएल ने शुरू की जोरदार तैयारियां, प्रतियोगिता 29 नवंबर से 6 दिसंबर 2026 तक

बिभा संवाददाता

रांचीः देश की सर्वाधिक प्रतिष्ठित 55वीं अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता (कोयला एवं धातु)-2026 के सफल आयोजन की तैयारियों को गति देते हुए सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, रांची में प्रथम कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस वर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी का दायित्व सीसीएल को सौंपा गया है, जो कंपनी की संगठनात्मक दक्षता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बैठक में खान सुरक्षा उपमहानिदेशक (दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र) डॉ. एस.एस. प्रसाद, सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री निलेन्दु कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री सी.एस. तिवारी, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री अनूप हंजूरा, DGMS और CIL के वरिष्ठ अधिकारियों सहित देशभर की विभिन्न कोयला एवं धातु खनन कंपनियों के महाप्रबंधक व सुरक्षा प्रमुख शामिल हुए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 29 नवंबर से 06 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसमें देशभर से लगभग 37 टीमों के भाग लेने की संभावना है। आयोजन में महिला टीमों की सक्रिय भागीदारी को विशेष रूप से प्रोत्साहित करने तथा उनके लिए आवास और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करने पर जोर दिया गया।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह, ड्रिल, मार्च-पास्ट, फर्स्ट एड, रोप रेस्क्यू तथा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह खररढर खेलगांव, रांची में आयोजित होंगे। वहीं, रेस्क्यू एवं रिकवरी, फ्रेश एयर बेस तथा कैप्टन्स रिपोर्ट से संबंधित व्यावहारिक स्पर्धाएँ उउछ के बरका-सयाल क्षेत्र स्थित भुरकुंडा भूमिगत खदान में सम्पन्न कराई जाएँगी। उउछ के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह और डॉ. एस.एस. प्रसाद ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगा और भारतीय खनन उद्योग के लिए एक नया इतिहास रचेगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्याः ईएल-जी-आरएनसी-ओटी-पैंट्री-18-26, दिनांक : 06.08.2026। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), रांची मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची निविदा सूचना संख्या: ईएल-जी-आरएनसी-ओटी-पैंट्री-18-26, दिनांक 06.08.2026 के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं जिसे दिनांक 31.08.2026 को अपराह्न 4.00 बजे खोला जाना निर्धारित है। **कार्य का नाम/संक्षिप्त विवरण:** तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए राजधानी एलएचबी कोच के पैंट्री कार एवं मिनी पैंट्री में फिट किये गए पैंट्री उपकरणों का रखरखाव अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 40,20,480.85। **जमा बयाना राशि:** रु. 80,400। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 31.08.2026 को अपराह्न 4.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: https://www.ireps.gov.in**। निविदा का विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदादाता/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय निविदादाता को निविदा दस्तावेज के साथ सभी सम्बंधित कागजात अवश्य अपलोड करने होंगे।

(PR-583)

बोकारो में दो दिवसीय कुष्ठ रोग कार्यशाला का शुभारंभ, जागरूकता एवं समय पर उपचार पर दिया गया विशेष बल

बिभा संवाददाता

बोकारो : सिविल सर्जन कार्यालय, बोकारो के सभागार में आज दो दिवसीय कुष्ठ रोग कार्यशाला का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ.सुधा सिंह, डीएफआईटी के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. वाई. सोमशेखर रेड्डी, डीएफआईटी के राज्य समन्वयक डॉ. गौतम कुमार तथा जिला कुष्ठ सलाहकार मोहम्मद सज्जाद आलम द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से एक-एक चिकित्सा पदाधिकारी, नोडल चिकित्सा पदाधिकारी एवं नोडल स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को कुष्ठ रोग की पहचान, उपचार, नवीन चिकित्सा पद्धति तथा सरकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रदान करना है। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि जिले में समय-समय पर कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान, स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा तथा राज्य सरकार द्वारा घर-घर कुष्ठ रोग खोज अभियान संचालित किया जाता है। इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य समाज में छिपे हुए कुष्ठ रोगियों की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें विकलांगता जैसी गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सके।

उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कुष्ठ रोग के प्रति फैली भ्रांतियों एवं सामाजिक कलंक को दूर करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं तथा लोगों को समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करें, जिससे बोकारो जिले को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। प्रशिक्षक डॉ. वाई. सोमशेखर रेड्डी ने प्रशिक्षण के दौरान कुष्ठ रोग के आधुनिक उपचार, वर्तमान चिकित्सा पद्धति में हुए बदलाव, एमडीटी की सही खुराक, रोगियों के अनुवर्ती उपचार तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान भी किया और क्षेत्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल दिया।

कार्यशाला के सफल आयोजन में जिला कुष्ठ निवारण कार्यालय के संजय कुमार, अजय कुमार, राजाराम कूड़ा, दिवाकर महतो, कामदेव बेसरा (डीएफआईटी) सहित अन्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

ईएसएल स्टील ने अपने प्रमुख इस्पात उत्पाद पोर्टफोलियो के लिए ग्रीनप्रो प्रमाणन हासिल किया

बिभा संवाददाता

बोकारो: वेदांता आयरन एंड स्टील की सब्सिडियरी कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. कंपनी के वी-विरो वायर रॉड और वी-डुकपाइप डक्टाइल आयरन पाइप को प्रतिष्ठित सीआईआई ग्रीनप्रो इकोलेबल प्रमाणन प्राप्त हुआ है. इस उपलब्धि के साथ अब ईएसएल स्टील के तीन प्रमुख फिनिश्ड स्टील उत्पाद वी-जेगा टीएमटी बार, वी-विरो वायर रॉड और वी-डुकपाइप डक्टाइल आयरन पाइप ग्रीनप्रो प्रमाणित हो गए हैं. यह प्रमाणन कंपनी की पर्यावरण-अनुकूल विनिर्माण प्रक्रिया और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

ग्रीनप्रो इकोलेबल भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा विकसित एक प्रतिष्ठित टाइप-1 इकोलेबल है, जिसमें उत्पादों का उनके संपूर्ण जीवनचक्र के आधार पर कार्बन फुटप्रिंट, पर्यावरणीय प्रभाव, संसाधनों के उपयोग और स्थिरता से जुड़े विभिन्न मानकों पर मूल्यांकन किया जाता है. इन कठोर मानकों को पूरा करने वाले उत्पादों को ग्रीनप्रो इकोलेबल के अंतर्गत ग्रीन प्रोडक्ट के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है.

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ग्रीनप्रो प्रमाणन हमारे लिए गर्व का विषय है. यह उपलब्धि जिम्मेदार विनिर्माण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शार्ती है. हमारा लक्ष्य केवल उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पाद बनाना ही नहीं, बल्कि ऐसे समाधान विकसित करना भी है जो पर्यावरण संरक्षण और देश के सतत विकास में योगदान दें.

ग्रीनप्रो प्रमाणित ग्रीन प्रोडक्ट हरित भवनों, आधुनिक आधारभूत संरचना परियोजनाओं और जिम्मेदार खरीद प्रक्रियाओं में तेजी से पसंद किए जा रहे हैं. इससे ग्राहकों को पर्यावरण-अनुकूल और विश्वसनीय उत्पादों का चयन करने में मदद मिलती है. ईएसएल स्टील लगातार नवाचार, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाकर अपने परिचालन को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में कार्य कर रही है. कंपनी का लक्ष्य भारत के औद्योगिक विकास में योगदान देने के साथ-साथ हरित और सतत भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है.

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब चास द्वारा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

बोकारो(बिभा)। चास रोटरी क्लब चास द्वारा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 में विद्यालय के बस चालकों एवं सफाई कर्मियों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों के नेत्र स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें समय पर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था। सचिव बिनोद चोपड़ा ने बताया कि शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपिका एवं उनकी टीम ने कुल 55 बस चालकों एवं सफाई कर्मियों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान 9 कर्मचारियों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें शीघ्र उपचार एवं शल्य चिकित्सा के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी गई। इसके अलावा सभी कर्मचारियों को आंखों की नियमित जांच, संतुलित आहार तथा नेत्रों की उचित देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। डॉ दीपिका सिंह ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर कर्मचारियों को समय रहते बीमारी की पहचान और उपचार का अवसर प्रदान करते हैं तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिषेक ने डॉ. दीपिका एवं उनकी टीम तथा रोटरी क्लब चास का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, जीजीएसइएसटी की कानूनी कलाकार पल्लवी जरूहार, सहायक मंडल अध्यक्ष पूजा बैद,रोटरी क्लब चास के कुमार अमरदीप, संजय बैद, विपिन अग्रवाल, संजय रस्तोगी, पूर्वी केजरीवाल, ललिता चोपड़ा, ऊषा कुमार,ज्योति अग्रवाल,शैल रस्तोगी, उपस्थित रहे।

सेक्टर-2 में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की पुरानी समिति भंग, नई कमेटी का गठन

बोकारो (बिभा) : शुक्रवार को सेक्टर-2 दुर्गा पूजा मैदान में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा की पुरानी समिति को भंग कर नई कमेटी गठन के लिए आम सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता संजय कुमार उर्फ ₹गुड्डू पोद्दार₹ ने की। सभा में सर्वसम्मति से अभिषेक कुमार को अध्यक्ष, रजनीश तिवारी को महासचिव तथा मनोज सिंह और अरविंद पासवान को कोषाध्यक्ष चुना गया। आम सभा से पहले पूरे सेक्टर-2 में माइकिंग कर आम लोगों को बैठक के बारे में सूचित किया गया था। सभा का संचालन सुचांद प्रजापति ने किया। मौके पर उमेश प्रसाद, दिलीप, सुमित, सुमन, प्रशांत, प्रीतम, टुनटुन सिंह, आर. बी. सिंह, टेनी, बिनोद यादव, विजय पासवान, श्याम सुंदर प्रसाद, मनोज सिंह, रजनीश श्रीवास्तव, दुर्गेश, विवेक, संतोष, अभिषेक, चीकू, राजा सम्राट समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे। नई कमेटी ने आगामी पूजा आयोजन की तैयारियों और जिम्मेदारियों के बंटवारे पर चर्चा की है।

10 अगस्त को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन ऐतिहासिक होगी: संयुक्त किसान मोर्चा

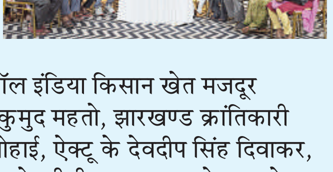

बोकारो(बिभा)। संयुक्त किसान मोर्चा की देशव्यापी जेल भरो आंदोलन के समर्थन में मोर्चा की घटक दल के ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन? के राज्य सचिव कुमुद महतो, झारखण्ड क्रांतिकारी मजदुर युनियन के डीसी गोहाई, ऐक्टू के देवदीप सिंह दिवाकर, दिलीप ओझा, एआईटीसीयू के बीडी प्रसाद,एटक के रामाश्रेय प्रसाद सिंह, एआईयूटीसी के मोहन चौधरी, आर एस शर्मा,महिला क्रांतिकारी संगठन के प्रतिमा देवी, लक्ष्मी देवी, किसान सभा के सकुर अंसारी, विश्वनाथ बनर्जी, झारखण्ड ग्रामीण किसान मजदूर सभा के राजु महतो, संयुक्त किसान मोर्चा के जगन्नाथ रजवार ने शुक्रवार के बिरसा आश्रम बोकारो में प्रेस वार्ता कर कहा कि केंद्र की हठधर्मिता की सरकार ने भारत-अमेरिका के बीच मुफ्त व्यापार समझौता के खिलाफ, सभी फसलों की उ2+ 50 फिसदी के साथ एम एस पी गारंटी, किसानों की सभी कर्ज माफी, बीज विधेयक 2025 वापस, चार श्रम कोड वापस लेने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर एवं बिजली की निजिकरण पुर्णतः रोक, विकसित भारत शिक्षा अभियान विधेयक 2025 वापस लेने जैसे कई ज्वलंत सवालों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के देश व्यापी जेल भरो आंदोलन की आह्वान के समर्थन में मोर्चा के बोकारो जिला कमिटी ने चास-बोकारो मुख्य पथ की गरगा पुल पर 10 अगस्त को अवरुद्ध कर जेल भरो आंदोलन के लिए गिरफ्तारी देंगे. जिसकी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली

विश्व स्तनपान सप्ताह पर मुस्कान हॉस्पिटल में सेमिनार

नवजात के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्तनपान को बताया जीवन की मजबूत नींव

बिभा संवाददाता

बोकारो: प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है इसी कड़ी में आज 6 अगस्त गुरुवार को अपराह्न 12:00 बजे मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सभागार में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था ₹जीवन में एक स्थायी शुरूआत के लिए स्तनपानः जो प्रभावी है, उसे मजबूत करें₹। सेमिनार में चिकित्सकों ने स्तनपान के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए माताओं और स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल की वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. उषा सिंह ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. सी. मुंशी सहित अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, इंटर्न, स्वास्थ्यकर्मी एवं निदेशक मंडल के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. हर्षिता ने अपने व्याख्यान में कहा कि नवजात शिशु के मानसिक, शारीरिक और रोग प्रतिरोधक क्षमता के विकास के लिए स्तनपान सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने बताया कि जन्म के बाद शुरूआती छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इससे न केवल शिशु का समुचित विकास होता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि माताओं को स्तनपान के प्रति प्रेरित करने और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भूमिका बेहद आवश्यक है।

सेमिनार के दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने स्तनपान को लेकर समाज में व्याप्त गलत धारणाओं को दूर करने तथा अधिक से अधिक माताओं को जागरूक करने का संकल्प लिया। अस्पताल के निदेशकों ने डॉ. हर्षिता के व्याख्यान की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों और स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी से इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाया जा सकता है।

सेमिनार में एक बात बड़ी चौंकाने वाली आई कि पूरे देश में अंडमान निकोबार स्तनपान करने वाले राज्यों की श्रेणी में 85.6% के साथ सर्वश्रेष्ठ आंकड़े पर है, तत्पश्चात स्थान छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी का है ।साथ ही 34% के आंकड़े के साथ उत्तर प्रदेश का स्थान स्तनपान करने वाले राज्यों में सबसे निचले पायदान पर है। कार्यक्रम के अंत में मुस्कान हॉस्पिटल के उप चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती वंदना सहाय ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। सेमिनार का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्तनपान को जन-आंदोलन का स्वरूप देना रहा।

आईजी, डीसी व एसपी ने 39 नए बोलेरो पुलिस पेट्रोलिंग वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बोकारो। शुक्रवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन, बोकारो से जिले को आवंटित 39 नए बोलेरो पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जिले को इस चरण में 39 नए पुलिस वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।इससे पूर्व मार्च माह में भी जिले को 39 वाहन प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि इन नए वाहनों के शामिल होने से जिले के सभी पुलिस थानों एवं पुलिस बल की गतिशीलता और कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे अपराध नियंत्रण, नियमित गश्ती, कानून-व्यवस्था संधारण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी. उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस का मूल मंत्र सेवा ही लक्ष्य है। इसी भावना के अनुरूप आमजन को बेहतर, त्वरित एवं संवेदनशील पुलिस सेवा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए संसाधनों के जुड़ने से पुलिस जनता की अपेक्षाओं पर और बेहतर ढंग से खरा उतरेगी तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने नए वाहनों का निरीक्षण किया तथा पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को वाहनों का प्रभावी उपयोग करते हुए बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

रविवार को युवा लायंस फोर्स, एक रुपया में करायेंगे हजारों शिवभक्तों को बाबा गौरीनाथ जी के दर्शन : देव शर्मा

बिभा संवाददाता

बोकारो। युवा लायंस फोर्स की बैठक जेल मोड़, कमलडीह में हुई , जिसमें मुख्य रूप से युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष सह काँग्रेस नेता देव शर्मा अपने सेवा दल के साथ मौजूद रहे , तथा लगने वाले सेवा शिविर का निरीक्षण भी किया , इस दौरान श्री शर्मा ने कहा कि प्रत्येक साल की भांति इस साल भी युवा लायंस फोर्स द्वारा बोल बम के जत्थे को 9 अगस्त दिन रविवार को मात्र एक रुपए में सभी श्रद्धालुओं को पोशाक , गमछा कांवर के अलावा गाड़ी, चिकित्सा , फल , मिठाई समेत अन्य कई तरह की खाने पीने की सुविधा दी जाएगी , जिसकी सारी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं , देव ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से हमारा संगठन यह सेवा दे रही है , जिसका मुख्य उद्देश्य खासकर कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र या असहाय और दूर दराज के लोगों को देखते हुए किया गया था , जो पैसे के अभाव में भगवान शंकर जी के दर्शन नहीं कर पाते थे , उन्होंने बताया कि इस बार हमारा कार्यक्रम बंगला सावन के अंतिम सोमवारी पे बहुत ही धूमधाम से होता , लेकिन चास के समाजसेवी , और डाक बम सेवा समिति को पूरे देश में एक अलग पहचान दिलाने वाले शिवभक्त और हमारे बेहद करीबी अजय राय जी का असमय मृत्यु हो जाने से इस कार्यक्रम को हमलोग 9 अगस्त रविवार को कर रहे हैं , जिसमे सिर्फ.सोभा यात्रा को स्थगित कर दिया गया हैं , साथ ही सभी शिवभक्तों को उनके पोशाक, कावर आदि एक दिन पहले उनके घरों तक हमारे संगठन द्वारा पहुँचा दिया जाएगा ,साथ ही पहली बार जैल मोड़ के समीप बिशाल सेवा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमे मुख्य रूप से बोकारो ही नहीं पूरे झारखंड के मशहूर कलाकार सुदेश सिंह मौजूद रहेंगे , जिससे पूरा माहौल भक्तीमय से भरा रहेगा, हमारे कैंप के साथ साथ बाहन सेवा दलों में भी पूर्व की भाँति ही सभी जरूरत की चीज उपलब्ध कराई जाएगी फिर शिव भक्तों को पूजा करने के बाद गाड़ी से लाने का भी काम किया जाएगा , भीड़ भाड़ क्षेत्रों में जहाँ कार नहीं पहुँच पाती थी इसके लिए इस बार बाइक सेवा दल का भी गठन किया गया है , जो दामोदर नदी से गौरीनाथ धाम तक भ्रमण करेंगे तथा जरूरत मंद शिवभक्तों को सेवा भी प्रदान करेंगे , मौके पर युवा लायंस फोर्स के दर्जनो नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे !

सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल में राखी का विशेष आयोजन प्रेम, कृतज्ञता और राष्ट्रभावना का संदेश

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो स्टील सिटी में आज इंडिया पोस्ट के सहयोग से एक विशेष राखी पहल का सफल आयोजन किया गया। प्री नर्सरी , नर्सरी और प्रेप के नन्हे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इस पहल में भाग लिया और राखी के पवित्र पर्व को प्रेम, रचनात्मकता, कृतज्ञता और देशभक्ति की भावनाओं से जोड़ा।

बच्चों ने सुंदर हस्तनिर्मित राखियाँ तैयार कीं और उनके साथ स्नेह एवं शुभकामनाओं से भरे संदेश भी लिखे। विशेष रूप से भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों के लिए भेजी गई राखियों के साथ बच्चों ने हृदयस्पर्शी संदेश लिखकर उनकी निस्वार्थ सेवा और देश की सुरक्षा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अपने मासूम शब्दों में बच्चों ने सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की तथा उन्हें सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल की स्वर्ण जयंती (50वीं वर्षगांठ) समारोह में शामिल होने के लिए स्नेहपूर्वक आमंत्रित भी किया। कई बच्चों ने अपनी राखियाँ एवं संदेश भारत की माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री, भारतीय सशस्त्र बलों तथा बोकारो के उपायुक्त को भी भेजे।

विद्यालय परिसर में उपस्थित इंडिया पोस्ट की टीम ने बच्चों की राखियों को विधिवत स्वीकार कर पोस्ट किया।इस अवसर ने बच्चों को यह अनुभव कराया कि उनके छोटे-से प्रयास और भावनाएँ देश के महत्वपूर्ण व्यक्तियों एवं राष्ट्र की सेवा में समर्पित वीरों तक पहुँच सकती हैं।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रेव. फादर दिनु एम. डेनियल ने कहा, ह्लराखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि प्रेम, सुरक्षा, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है।हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे इस पर्व के माध्यम से यह समझें कि सच्चा प्रेम केवल अपने प्रियजनों तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें समाज, राष्ट्र और उन सभी लोगों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता भी शामिल है, जो हमारी सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित हैं।हमारे नन्हे बच्चों की यह छोटी-सी पहल यदि किसी के चेहरे पर मुस्कान और हृदय में अपनत्व की भावना जगाती है, तो यही इसकी सबसे बड़ी सफलता है।

44वीं डाक कांवड़ यात्रा 8 अगस्त से, 01 डाक बम होंगे शामिल

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास डाक बम सेवा समिति द्वारा आयोजित 44वीं ऐतिहासिक डाक कांवड़ यात्रा का शुभारंभ 8 अगस्त 2026 को संकट मोचन हनुमान मंदिर, जोधाडीह मोड़, चास से होगा। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा-अर्चना के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो जोधाडीह मोड़ से महावीर चौक, धर्मशाला मोड़, बाईपास रोड, चेकपोस्ट और सेक्टर-1 तिरंगा पार्क होते हुए राम मंदिर, सेक्टर-1 पहुंचेगी।समिति के सचिव मुकेश राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस वर्ष यात्रा में 501 डाक कांवड़िया एवं करीब 200 सदस्यीय डाक सेवा दल शामिल होंगे। सभी डाक बम लगभग 11 बसों से सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे। 10 अगस्त को उत्तरवाहिनी मां गंगा से पवित्र जल लेकर 105 किलोमीटर की निरंतर पदयात्रा शुरू की जाएगी। 11 अगस्त को बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक किया जाएगा। यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में सांसद ढुल्लू महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे विशिष्ट अतिथि विधायक ,उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक,महापौर,उप महापौर ,वार्ड पार्षद एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे। अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर डाक कांवड़ियों के जत्थे को रवाना किया जाएगा।

इस वर्ष की यात्रा समिति के लिए भावुक अवसर भी है। समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय अजय राय का 1 अगस्त 2026 को देवलोकगमन हो गया। समिति के सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

समिति ने शिवभक्तों एवं नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर डाक कांवड़ियों का उत्साहवर्धन करने तथा यात्रा को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है मौके पर टिंकू टपड़िया,धीरज सिंह,कर्ण सिंह,पिंकू मिश्रा, उत्तम डे, सुनील, चंदन,सिद्धेश्वर सेठ, संदीप, कुणाल, उमेश, टिंकू, बरनवाल, टुल्लू, मोनू, अर्जुन, शानू, मिथुन, सोनल आर्या, राजा, पीयूष, छोटू यादव, रंजन गुप्ता, विनय, किशोर, ब्रज दुबे, माथुर मंडल, शुभाष महतो, दया तिवारी माणिक सिंह, प्रकाश सिंह अभिषेक ध्रुव, बुलेट सिंह, आदि उपस्थित थे।

छापामारी में पकड़े गए तीन ट्रैक्टर, बालू का वैध ई-परिवहन चालान नहीं मिला

बिभा संवाददाता

बोकारो। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर खान एवं खनन विभाग बोकारी तथा सेक्टर-06 थाना बल ने 07 अगस्त 2026 को रात्रि लगभग 03:00 बजे अवैध उत्खनन व परिवहन के विरुद्ध संयुक्त छापामारी की। अभियान सेक्टर-06 थाना प्रभारी संगीत कुमारी की देखरेख में सेक्टर-05/0 रोड पर चलाया गया, जहाँ अवैध रूप से बालू लदे तीन ट्रैक्टर पकड़े गए।

पकड़े गए ट्रैक्टरों के पंजीकरण नंबर हैं: जे एच 09बीएफ-2743, जे एच 09बीबी-3591 और जे एच 10सीबी-6116। घटनास्थल पर इन वाहनों पर लदे बालू के वैध ई-परिवहन चालान प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मौके पर मौजूद खानन निरीक्षक, बोकारो ने नियमों के अनुरूप अवैध खनिज सहित तीनों ट्रैक्टरों को जब्त कर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। जब्त वाहन व खनिजों को सेक्टर-06 थाना अभिरक्षण में रखा गया है। पुलिस तथा खान व खनन विभाग के अधिकारी प्रकरण की आगे की जांच कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची में नाम अवश्य जांचें, आवश्यक होने पर निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से कराएं संशोधनः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहारः समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के सभी नागरिकों से प्रारूप मतदाता सूची में अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का नाम अनिवार्य रूप से जांचने तथा आवश्यकतानुसार दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अपील की।उपायुक्त ने बताया कि 05 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है। मतदाता सूची मतदान केंद्रों, ईआरओ, एईआरओ कार्यालयों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में दर्ज नहीं है तो वह प्रपत्र-6 के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के साथ 04 सितम्बर 2026 तक आवेदन कर सकता है। वहीं, 01 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवा भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि यदि किसी मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो उसके लिए प्रपत्र-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। इसी प्रकार मतदाता सूची में नाम, पता, आयु अथवा अन्य विवरणों में सुधार के लिए प्रपत्र-8 का उपयोग किया जा सकता है। आवेदन BLO, ECINet Mobile App अथवा voters.eci.gov.i»»f के माध्यम से ऑनलाइन भी किया जा सकता है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि 08-09 अगस्त तथा 22-23 अगस्त 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां मतदाता सूची से संबंधित आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 15 अगस्त 2026 को सभी पंचायत भवनों में ग्रामसभा आयोजित कर मतदाता सूची के संबंध में जनजागरूकता एवं सत्यापन का कार्य किया जाएगा। वहीं 25 अगस्त से 04 सितम्बर 2026 तक इछड द्वारा घर-घर जाकर Home to Roll Verification अभियान चलाया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में मतदाता जागरूकता के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से नए मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाकर अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं को इस अभियान से जोड़ने में सहयोग करें।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, एवं विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विशेष मतदाता शिविर में सभी मतदान केंद्रों पर जुड़ेंगे नाम : डीसी

बिभा संवाददाता

रामगढ़। मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद अब नए मतदाताओं का नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी ऋतुराज ने बताया कि योग्य नागरिक अब आसानी से मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करा सकते हैं।

इसके लिए 08 एवं 09 अगस्त को सभी मतदान केन्द्रों पर विशेष कैम्प का आयोजित होगा। शिविर के माध्यम से नया नाम जोड़ने, जिन युवाओं की उम्र अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2026 के अनुसार पूरी हो चुकी है, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं पारिवारिक नाम स्थानांतरण, यदि किसी परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर हैं, तो वे पूरा नाम एक ही मतदान केंद्र पर ट्रांसफर करा सकते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि उक्त अवधि में, दिनांक 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले या 18 वर्ष पूर्ण हो चुका है और पात्र भारतीय नागरिक है एवं रामगढ़ जिला अंतर्गत किसी भी मतदान केन्द्र क्षेत्र के सामान्य निवासी है, तो वैसे नागरिक, मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए प्रपत्र-6 घोषणा पत्र सहित आवेदन कर सकते हैं।

साथ ही, निवास स्थानांतरण या वर्तमान निर्वाचक नामावली में प्रविष्टियों में सुधार या बिना सुधार के ईपीक कार्ड निर्माण या दिव्यांगजन व्यक्तियों के रूप में चिन्हितीकरण के लिए प्रपत्र 08 घोषणा पत्र सहित के साथ अपना आवेदन अपने बीएलओ को जमा कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग के 45 ताइक्वांडो खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

हजारीबाग(बिभा)। 26वीं झारखंड सीनियर एवं 12वीं कैडेट राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 7 से 9 अगस्त 2026 तक सरवमंगला पब्लिक स्कूल, 8 लेन रोड के समीप, नागरी कला, टेटुलमारी, धनबाद में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से लगभग 700 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता में हजारीबाग जिला से 45 ताइक्वांडो खिलाड़ियों की टीम भाग ले रही है। टीम के कोच के रूप में रौशन गुप्ता, आलोक रंजन, राजशेखर सिन्हा एवं रवि गुप्ता खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, जबकि दिलीप कुमार टीम मैनेजर की जिम्मेदारी निभाएंगे। प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को आज हजारीबाग दारूजन मैदान स्टेडियम से जिला खेल पदाधिकारी श्री कैलाश राम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और अधिक से अधिक पदक जीतकर हजारीबाग जिले का नाम रोशन करें। विदाई समारोह में हजारीबाग ताइक्वांडो संघ के सचिव हेमंत कुमार, जिला खेल पदाधिकारी श्री कैलाश राम, जिला खेल कार्यालय के प्रधान सहायक (बड़े बाबू) श्री शेखर शर्मा, डीएससी श्री सरोज यादव तथा तीरंदाजी संघ के श्री मनोज कुमार उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि हजारीबाग की टीम राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले के लिए अनेक पदक जीतकर लौटेगी।

पहली बार पाठ वाचिका के रूप में नजर आईं अमिता बूबना, दादी के दरबार में सेवा कर बोलीं– मन तृप्त हो गया

हजारीबाग(बिभा) : अग्रसेन भवन में आयोजित श्री रानी सती दादी जी के भव्य महा मंगल पाठ में इस का आयोजन किया गया जहां रानीगंज की सुप्रसिद्ध पाठ वाचिका जुली खंडेलवाल के साथ पहली बार अमिता बूबना ने भी पाठ वाचिका के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी मधुर वाणी, श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण पाठ ने उपस्थित दादी भक्तों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान अमिता बूबना ने पूरे श्रद्धा भाव से दादी का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि ₹श्री रानी सती दादी के दरबार में पाठ वाचन करने का सौभाग्य मेरे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है। दादी की कृपा से आज मेरा मन पूरी तरह तृप्त हो गया।₹ उनके इस भावपूर्ण वक्तव्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भी भावुक कर दिया। रानीगंज की प्रसिद्ध पाठ वाचिका जुली खंडेलवाल के मार्गदर्शन में अमिता बूबना ने पहली बार मंच साझा किया। दोनों की मधुर प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ₹जय दादी की₹ के जयकारों और भजनों के बीच श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते नजर आए। महा मंगल पाठ के दौरान दादी का मनमोहक श्रृंगार, सिंझारा, चुनरी अर्पण और भव्य सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में महिलाओं एवं दादी भक्तों ने कार्यक्रम में भाग लेकर दादी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सीसीएल कर्मी के आश्रित को मिला 1 करोड़ का दुर्घटना मृत्यु लाभ

कुजू (रामगढ़)(बिभा): सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के कर्मचारियों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के तहत कुजू क्षेत्र के जीएम यूनिट कॉन्फ्रेंस हॉल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के अंतर्गत दिवंगत कर्मचारी के आश्रित को 1.00 करोड़ की दुर्घटना मृत्यु लाभ राशि का चेक प्रदान किया गया। यह लाभ कर्मा परियोजना में कार्यरत दिवंगत सहायक (ग्रेड-डी) श्री बसुदेव महतो की माता श्रीमती भोखरी देवी को सीसीएल और पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सौंपा गया। सीसीएल में कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत दुर्घटना मृत्यु लाभ दावे का यह सातवाँ सफल निपटान है, जो विषम परिस्थितियों में परिजनों को बड़ा आर्थिक संबल प्रदान करता है। कार्यक्रम में कुजू क्षेत्र के महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा, सीसीएल मुख्यालय के विभागाध्यक्ष (कार्मिक व औद्योगिक संबंध) पल्लब चक्रवर्ती, मुख्य प्रबंधक रूबी रंजन, उप प्रबंधक सुचित्रा मुखर्जी, परियोजना पदाधिकारी रमेश्वर मुंडा और स्टाफ ऑफिसर सुमित प्रज्ञ सारंगी मौजूद रहे। वहीं पंजाब नेशनल बैंक की ओर से हजारीबाग के सर्किल हेड दीपक कुमार वर्मा, मार्केटिंग हेड रोहित, कुजू शाखा प्रबंधक ईशाक बरला, शाखा प्रबंधक ब्रह्मांड साह और पीएनबी मेटलाइफ के सर्किल हेड बिनोद कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने दिवंगत कर्मचारी के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज केवल एक बैंकिंग सुविधा नहीं बल्कि कर्मचारियों के परिवार के लिए सुरक्षा कवच है। उन्होंने सभी कर्मियों से इस पैकेज के तहत मिलने वाले बीमा लाभों की जानकारी रखने और उनका लाभ उठाने की अपील की।

क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में हजारीबाग बना ओवरऑल चैंपियन

बरही के एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने पिस्टल स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले के पदमा फायरिंग बट पर आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। 6 अगस्त से शुरू हुई इस प्रतियोगिता के समापन समारोह में उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक अंजनी कुमार झा, हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) समेत जिले के कई वरीय पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, गिरिडीह और कोडरमा जिले की पुलिस टीमों ने भाग लिया। दो दिनों तक चली विभिन्न निशानेबाजी स्पधाओं में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबलों के बाद हजारीबाग की टीम ने सर्वाधिक अंक अर्जित करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, एकाग्रता और उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल का परिचय दिया। पिस्टल स्पर्धा में बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि पर उपस्थित अधिकारियों ने उन्हें सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समापन समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक अंजनी कुमार झा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं पुलिस बल की पेशेवर दक्षता, आत्मविश्वास और अनुशासन को नई मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से जवानों की कार्यकुशलता में निरंतर सुधार होता है, जिसका सीधा लाभ पुलिसिंग की गुणवत्ता में देखने को मिलता है। वहीं पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने हजारीबाग टीम को ओवरऑल चैंपियन बनने पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के जवानों और अधिकारियों का यही समर्पण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन भविष्य में भी जिले का नाम रोशन करेगा तथा ऐसी प्रतियोगिताएं सभी को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती रहेंगी। समारोह के अंत में विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पदक और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने का आह्वान किया।

प्रांतिय अग्रवाल सम्मेलन ने स्व सुमित के परिजनों से मुलाकात कर हर संभव सहायता का आश्वासन दिया

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ के चर्चित निर्मम सुमित हत्या का अब तक खुलासा नहीं होने व हत्यारों कि गिरफ्तारी नहीं होने से समाज में आक्रोश व्याप्त है।

स्व. सुमित अग्रवाल की निर्मम हत्या की घटना से झारखंड का समूचा अग्रवाल समाज स्तब्ध एवं शोकाकुल है. इस दुःखद घटना के उपरांत झारखंड प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने शोक-संतप्त परिवार से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं तथा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया.

सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप मुरारका, प्रदेश महामंत्री अभिषेक अग्रवाल ह्यगोल्डीह्न, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय कुमार भालोटिया, प्रदेश संगठन मंत्री राजेश पसारी, पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष मंटू अग्रवाल, युवा इकाई के राष्ट्रीय मंत्री रोहित अग्रवाल तथा युवा इकाई के जिला अध्यक्ष सन्नी संघी जमशेदपुर से रामगढ़ पहुँचे ' वहीं रामगढ़ में अग्रवाल सम्मेलन के जिला संयोजक बिमल कुमार बुधिया, उमेश राजगढ़िया, गोविंद मेवाड़ रमेश बोदिया, जय अग्रवाल मुरारी लाल अग्रवाल, अरविंद गोयल सुनील गोयल, प्रदीप अग्रवाल, उदय अग्रवाल हर्षित बुघीया प्रवीण अग्रवाल, सहित अनेक समाजबंधु भी उपस्थित रहे.

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संदीप मुरारका ने कहा कि झारखंड प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि प्रत्येक अग्रवाल परिवार का अपना परिवार है. उन्होंने कहा कि झारखंड में किसी भी अग्रवाल परिवार पर यदि कोई संकट, दुर्घटना अथवा अप्रिय घटना आती है, तो सम्मेलन पूरी संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता एवं मानवीय दायित्व के साथ उसके साथ खड़ा रहेगा. समाज की पीड़ा ही सम्मेलन की पीड़ा है और प्रत्येक कार्यकर्ता संकट की हर घड़ी में अपने परिवार के सदस्य की तरह सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगा.

प्रतिनिधिमंडल ने स्व. सुमित अग्रवाल को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति, धैर्य एवं संबल प्रदान करे.

विक्कीझ्रसरिता खंडेलवाल के सुपुत्र श्रेष्ठ कान्हा और सुपुत्री समीक्षा राधा के वेश में आए नजर, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में बिखेरी भक्ति की छटा

बिभा संवाददाता

हजारीबागः अग्रसेन भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग सुनते ही पूरा कथा परिसर ₹नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की₹ के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते रहे और पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया।

जन्मोत्सव के अवसर पर आकर्षक झांकियां, फूलों से सुसज्जित मंच और मनोहारी सजावट ने सभी का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का उत्साहपूर्वक स्वागत करते हुए भजनों पर नृत्य किया और बाल गोपाल के जन्म की खुशियां मनाईं।इस दौरान विकी सरिता खंडेलवाल के सुपुत्र श्रेष्ठ ने कान्हा तथा सुपुत्री समीक्षा ने राधा का मनमोहक स्वरूप धारण कर सभी का दिल जीत लिया। दोनों बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और मासूम अदाओं ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उल्लेखनीय है कि श्रेष्ठ और समीक्षा, टोडरमल वीणा खंडेलवाल के पोते और पोती हैं। उनकी सुंदर प्रस्तुति जन्मोत्सव का विशेष आकर्षण रही और श्रद्धालुओं ने उनकी खूब सराहना की।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुन श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्म, भक्ति और संस्कृति के इस भव्य आयोजन की सराहना की।

मुक्तिधाम सेवा संस्थान ने निभाया मानवता का धर्म, ओल्ड एज होम की 70 वर्षीय वृद्धा उषा प्रकाश का पूरे सम्मान के साथ किया अंतिम संस्कार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : मानव सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय मुक्तिधाम सेवा संस्थान ने एक बार फिर संवेदनशीलता और मानवता की मिसाल पेश करते हुए ओल्ड एज होम, हजारीबाग में निवासरत 70 वर्षीय वृद्धा उषा प्रकाश का पूरे विधि-विधान एवं सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया।संस्थान से मिली जानकारी के अनुसार उषा प्रकाश पिछले लगभग तीन वर्षों से ओल्ड एज होम, हजारीबाग में रह रही थीं। उनका निधन 4 अगस्त 2026 की सुबह लगभग 6 बजे हो गया था। निधन के बाद उनके परिचितों एवं संबंधित लोगों से संपर्क स्थापित किया गया, लेकिन उन्होंने विभिन्न कारणों से अंतिम संस्कार करने में असमर्थता व्यक्त की।

इसके बाद नियमानुसार शव को 72 घंटे तक मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया, ताकि यदि कोई परिजन या परिचित आगे आए तो उन्हें अवसर मिल सके। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद 7 अगस्त 2026 को मुक्तिधाम सेवा संस्थान ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए खिरगांव स्थित श्मशान घाट में पूरे सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ वृद्धा का अंतिम संस्कार कराया।संस्थान के संस्थापक नीरज कुमार ने श्रद्धापूर्वक दिवंगत आत्मा को अंतिम विदाई देते हुए कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जिन लोगों का इस संसार में कोई सहारा नहीं होता, उनके अंतिम संस्कार का दायित्व निभाना समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।इस पुनीत कार्य में समाजसेवी सीताराम मेहता, आशित गुप्ता एवं शुभम जायसवाल का भी सराहनीय सहयोग रहा। उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और मुक्तिधाम सेवा संस्थान के इस मानवीय कार्य की भूरि-भूरि सराहना की।

भक्ति और उल्लास से सजा श्री रानी सती दादी का दरबार, महा मंगल पाठ में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

बिभा संवाददाता

हजारीबागः श्री रानी सती दादी जी के पावन आशीर्वाद से शुक्रवार को हजारीबाग के अग्रसेन भवन में आयोजित श्री रानी सती दादी का भव्य महा मंगल पाठ श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के अद्भुत संगम का साक्षी बना। प्रातः से ही दादी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा परिसर ₹जय दादी की₹ के जयघोष से गूंज उठा।कार्यक्रम में सजे दादी जी के भव्य दरबार ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे सिंझारा, चुनरी और मनमोहक पुष्प श्रृंगार से सुसज्जित दरबार दिव्य आभा बिखेर रहा था। दादी जी का अलौकिक स्वरूप देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और बड़ी संख्या में भक्तों ने चुनरी अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

इस अवसर पर रानीगंज की सुप्रसिद्ध पाठ वाचिका जुली खंडेलवाल और अमिता बूबना ने अत्यंत मधुर एवं भावपूर्ण शैली में महा मंगल पाठ का वाचन किया। उनके मुखारविंद से निकले भजनों, मंगल गीतों और दादी महिमा के वर्णन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भक्ति की धुन पर झूम उठे और पूरा परिसर दादी की भक्ति में सराबोर दिखाई दिया। कई श्रद्धालुओं की आंखें भावुक होकर नम हो गईं।महा मंगल पाठ के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दादी जी के जयकारों, भजनों और मंगलाचरण से पूरा अग्रसेन भवन आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम में दादी भक्तों ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण की प्रार्थना की। आयोजन के सफल संचालन में समिति के सभी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में दादी जी की भव्य आरती संपन्न हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन ने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन पर गहरी आध्यात्मिक छाप छोड़ी और सभी ने दादी जी के चरणों में शीश नवाकर मंगलमय जीवन की कामना की।वही दादीजी को गजरा और चुनरी चढ़ाया गया जहां शोभा मुनका ने चुनरी भजन गाया

ज्ञान-यज्ञ कार्यक्रम के द्वितीय दिवस का आयोजनः एनईपी 2020 और भविष्य की शिक्षण पद्धतियों पर चर्चा

बिभा संवाददाता

हजारीबागः ज्ञान-यज्ञ कार्यक्रम के दूसरे दिन का शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर पुष्पार्पण के साथ हुआ। इसके बाद श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समाप्ति कुमार पाल और एस.बी.एम. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत यादव ने ऑनलाइन माध्यम से मुख्य वक्ता का स्वागत कर व्याख्यानमाला की शुरूआत की।

बी.एड. (सत्र 2025-27) की छात्राओं ने स्वागत-गीत प्रस्तुत किया तथा छात्रा सुप्रिया पाण्डेय ने मुख्य वक्ता का परिचय कराया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. ओमप्रकाश (शिक्षा निदेशक, ठउफ दिल्ली) ने भविष्य की शिक्षण पद्धतियाँः समावेशी शिक्षा, डिजिटल दक्षता, आलोचनात्मक चिंतन एवं शिक्षक कल्याण विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य शिक्षा को शिक्षार्थी-केंद्रित और दक्षता-आधारित बनाना है। उन्होंने शिक्षकों को अक के प्रयोग, अनुभवात्मक शिक्षण, नैतिक मूल्यों और SDG-4 के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने पर बल दिया। मंच का सफल संचालन पूजा कुमारी, नीतिश और अमीषा द्वारा किया गया।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ह्यसंवाद से समाधानह्ण का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर रू.10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत ः इन बच्चों को रू.5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को रू4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

अगस्त क्रांतिः जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा...

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी। भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार है, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्ता अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ीं के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ीं (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्ट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति

छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

अनुच्छेद 370 की बरसी पर अनंतनाग रैली के नारों पर विवाद

-विपक्ष के विरोध के बाद भाजपा ने दी सफाई

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर अनंतनाग में निकाली गई एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इसे कश्मीरी महिलाओं का अपमान बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। बढ़ते विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर भाजपा ने इन नारों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था। इसकी सातवीं बरसी पर भाजपा ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि विपक्षी दलों ने इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाया। अनंतनाग में भाजपा की ओर से निकाली गई रैली के दौरान कुछ नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का आरोप है कि रैली में कश्मीरी भाषा के ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें स्थानीय समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा से जोड़कर देखा जाता है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन शब्दों का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया, वह महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस तरह के नारे कश्मीर की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विपरीत हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े सम्मानजनक संबोधनों का राजनीतिक नारों में इस प्रकार इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। विपक्ष ने इसे पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर भाजपा ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी महिलाओं के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन नहीं करती। पार्टी के अनुसार यदि रैली के दौरान कुछ व्यक्तियों ने अपनी व्यक्तिगत सोच के आधार पर कोई नारा लगाया है, तो उसे भाजपा की आधिकारिक नीति या विचारधारा नहीं माना जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि विवादित नारे संगठन या रैली का नेतृत्व कर रहे नेताओं के आधिकारिक विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। विपक्ष भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा का कहना है कि पार्टी का महिलाओं के सम्मान पर रुख स्पष्ट है और किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत टिप्पणी को संगठन की आधिकारिक राय नहीं माना जा सकता।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने फिर करवट बदली है। बीती देर रात से दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार, 7 अगस्त के लिए तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह और पूर्वाह्न के दौरान मध्यम से भारी वर्षा की चेतावनी है। इस झमाझम बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी है, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव और टूटी सड़कों पर बने गहरे गड्ढों ने यातायात को बुरी तरह बाधित किया है। लगातार दो दिनों की बारिश से अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हालांकि, सुबह दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल वाहनों को सड़कों पर लंबी कतारों के कारण खासी परेशानी झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, साथ ही दिनभर बादल छाए रहने वाले हैं और भारी बारिश जारी रह सकती है। अगले कुछ दिनों तक, यानी 8 से 12 अगस्त तक, दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री और न्यूनतम 24-25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बारिश के कारण राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे वाहन चालकों को दिक्कतें आ रही हैं।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की 20वीं मंजिल पर आग, बड़ा हादसा टला

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, निवासियों और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, सन टावर-3 की 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगी थी। आग लगते ही हड़कंप मचा, पर रेजिडेंट्स और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत से आग बुझा दी। फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था। यह सोसायटी में आग लगने की पहली घटना नहीं है। निवासियों का आरोप है कि फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। निवासियों ने बिल्डर और प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त कर तत्काल फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट की मांग की है।

हैवान बना पिता, 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म ; गिरफ्तार

जोनपुर (एजेंसी)। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करने वाला एक हृदय विदारक मामला उत्तर प्रदेश के जमालपुर से सामने आया है। यहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफपोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयानों के अनुसार यह शर्मनाक घटना बीते 5 अगस्त को घटित हुई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी अरविंद शर्मा, जो कि पीड़िता का सगा पिता है, तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर उस दिन काम पर नहीं गया और घर पर ही रुक गया। शाम को जब मां काम से लौटी तो 16 वर्षीय बेटी ने रोते हुए उसे अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि जब वह घर में अकेली थी और अपने काम निपटाकर कमरे में आराम कर रही थी, तभी उसके पिता अरविंद शर्मा ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बेटी को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। मां की शिकायत पर जमालपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को बम धमकी वाला ई-मेल, मेट्रो, स्कूल और शेयर बाजार को उड़ाने की चेतावनी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े के आधिकारिक ई-मेल पते पर बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। ई-मेल में मुंबई महापौर कार्यालय, मुंबई मेट्रो, स्कूलों और शेयर बाजार को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दावा किया गया है कि 15 अगस्त से पहले मुंबई में विस्फोट किए जाएंगे। इसके बाद मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में अलगाववादी नारे लिखे गए हैं और कुछ व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही लोगों को बच्चों को स्कूल न भेजने और मेट्रो से यात्रा नहीं करने जैसी चेतावनियां भी दी गई हैं। फिलहाल पुलिस इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि महापौर ऋतु तावड़े को इससे पहले भी दो बार धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। इस बार मिले ई-मेल के बाद साइबर पुलिस ई-मेल के आईपी एड्रेस, स्रोत और प्रेषक की पहचान करने में जुटी है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं।

केजरीवाल का दावा : पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं।

केजरीवाल का ये बयान तब हैं जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था। केंद्र सरकार ने मेटा को स्पष्ट किया है कि वे इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे खुद कंटेंट का चुनाव करते हैं, इसलिए आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर का नियम उन पर लागू नहीं होता। घटनाक्रम के बीच, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सेक्रेटरी एस. कृष्णन से मुलाकात की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो गलती से हटाने की जानकारी दी गई। इससे पहले, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक से प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने पर जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि भारत में प्लेटफॉर्म को मिलने वाली कानूनी छूट समाप्त की जा सकती है।

बारिश के बीच विपक्ष ने संसद परिसर में किया जोरदार प्रदर्शन

-जंतर-मंतर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मकर द्वार पर नारेबाजी, छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 15वें दिन शुक्रवार को भी संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र होकर जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। तेज बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर धरना देने पहुंचे और सरकार विरोधी नारे लगाए।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को संवाद के बजाय बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके साथ बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। सांसदों का कहना था कि दोनों ही मुद्दे जनहित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शन में शामिल सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे।

सीजेपी ने बनाई राष्ट्रीय कार्यसमिति, अभिजीत दीपके बने राष्ट्रीय संयोजक

12 लोगों की मेन टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर दिया। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके को राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और प्रवक्ता आशुतोष रांका को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसे राजनीतिक दल में परिवर्तित नहीं किया जाएगा और उसका फोकस जमीनी स्तर पर जनसंगठन तैयार करने पर रहेगा।

सीजेपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यसमिति ने संगठन के विस्तार की रूपरेखा को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में सभी राज्यों में समन्वय समितियों के गठन के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर पर भी संगठनात्मक इकाइयां बनाई जाएंगी। संगठन ने कहा कि घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फिलहाल पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी में अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और दीपक बालियान को सह-संगठन प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव, विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को कानूनी मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौड़ को शोध एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। संगठन ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पूर्वोत्तर तथा पश्चिम क्षेत्र के लिए भी अलग-अलग नेतृत्व की जिम्मेदारियां तय की हैं।

सौरव दास ने बताया कि सदस्यता अभियान संगठन की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया जाएगा। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पेशेवरों और श्रमिकों से संगठन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सीजेपी फिलहाल किसी प्रकार का चंदा या फंड एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक दावे से सावधान रहने की भी अपील की। दास ने कहा कि कई लोग चाहते हैं कि सीजेपी राजनीतिक दल बने, लेकिन मौजूदा समय में संगठन का उद्देश्य चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर काम करना है। उनका कहना था कि संगठन पहले अपने नेटवर्क और जनसंपर्क को मजबूत करेगा। इस दौरान आशुतोष रांका ने बताया कि सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद संगठन के शीर्ष पदाधिकारी भी राज्य का दौरा करेंगे। संगठन ने कहा कि शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता उसके प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगी।

ऊना दलित अत्याचार : मायावती ने की गुजरात सरकार से हाईकोर्ट में सख्त पैरवी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में वर्ष 2016 के चर्चित दलित अत्याचार मामले में लोकल अदालत द्वारा अधिकांश आरोपियों को बरी करने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है और पीड़ित दलित परिवारों को हाईकोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए भारी आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमों मायावती ने गुजरात सरकार से तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। बसपा मुखिया ने याद दिलाया कि इस घटना के बाद वह खुद पीड़ितों से मिलने ऊना गई थीं और तभी राज्य सरकार से सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि देश भर में रोष के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का बरी होना दलितों के प्रति सरकारी उदासीनता और उनके हितों की उपेक्षा का परिणाम लगता है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार के पास अभी भी मौका है कि वह अपनी गलती सुधारते हुए उच्च न्यायालय में उचित पैरवी सुनिश्चित करे। मायावती ने सुझाव दिया कि गुजरात सरकार को पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुसार, सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराने चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बसपा की यूपी सरकार ने गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया था। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगा बल्कि दूसरों के लिए भी एक सबक बनेगा।

केपी ग्राउंड में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सशर्त मंजूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने केपी ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से परामर्श के बाद आयोजकों को कुछ शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी गई है।

ट्रस्ट की ओर से रखी गई शर्तों में कॉलेज में अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रभावित नहीं होना और जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना शामिल है। इससे पहले ट्रस्ट ने मैदान के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति जताई थी। ट्रस्ट का कहना था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केपी कॉलेज के मैदान का उपयोग खेलकूद और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा अन्य कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता। साथ ही बारिश के कारण मैदान में पानी भरे होने से आयोजन को लेकर जोखिम की बात भी कही गई थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम को रद्द कराने का प्रयास कर रही है। पार्टी ने कहा था कि वह तय स्थान केपी ग्राउंड में ही छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति को लेकर बातचीत हुई है और सहयोग का आश्वासन मिला है।

अजय राय ने राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे का कार्यक्रम भी जारी किया। इसके अनुसार राहुल गांधी 8 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे विशेष विमान से दिल्ली से प्रयागराज पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से आनंद भवन जाएंगे। शाम 6 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह प्रयागराज हवाई अड्डे से रात साढ़े 9 बजे विशेष विमान से दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यह एक निजी संस्था और कांग्रेस के बीच अनुमति का मामला है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास सरकार के दबाव का कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। कार्यक्रम की अनुमति को लेकर जिला प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। अब सशर्त अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है।

कैप्टन अमरिंदर कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, वह मेरे फेवरेट लीडर

-राहुल गांधी के तारीफ करने के बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच राहुल गांधी ने पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह को फेवरेट लीडर बताकर उनकी तारीफ की है। गुरुवार को दिल्ली में जेन-जी के साथ राहुल गांधी ने इंट्रैक्शन किया। इस दौरान एक युवा ने राहुल गांधी से पूछा कि बीजेपी में आपका फेवरेट लीडर कौन है, तो राहुल गांधी ने कहा- कैप्टन अमरिंदर सिंह, डेफिनेटली। मैं उनके साथ आसानी से घुल-मिल जाता हूं। वह कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, इसलिए मैं उन्हें पसंद करता हूं। हैलो अंकल अमरिंदरज.

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसके बाद से लोग कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाने लगे हैं। इससे पहले कैप्टन खुद कह चुके हैं कि वह कांग्रेस को मिस करते हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक फैमिली की तरह है। मैं जब भी फोन करता था, वह मिल लेते थे। लेकिन बीजेपी में ये सिस्टम नहीं है। कैप्टन ने यहां तक कहा था कि राहुल गांधी ने उनके चचेरे भाई के निधन पर शोक संदेश भेजा लेकिन बीजेपी में किसी ने पूछा तक नहीं। राहुल गांधी की कैप्टन की तारीफ वाला वीडियो जैसे ही सामने आया तो पंजाब कांग्रेस में खलबली मच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटकलें लगाई जा रही हैं कि कहीं पंजाब में गुटबाजी को खत्म करने के लिए राहुल गांधी बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी करवा सकते हैं। कैप्टन की अगुआई में कांग्रेस दो बार यहां सरकार बना चुकी है। वहीं गुरुवार को प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लुधियाना में कहा था कि एक सप्ताह में सब कुछ ठीक हो जाएगा, नहीं तो राहुल गांधी कोई बड़ा फैसला लेंगे। इसी बीच चन्नी गुट के विधायक राणा गुरजीत ने कहा कि अगर कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस में आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। कैप्टन अमरिंदर के गांधी परिवार के अच्छे संबंध हैं। वहीं परगट सिंह ने भी कहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह दो बार पंजाब के सीएम रह चुके हैं। उनके पास अनुभव है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

-कई राज्यों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए। इसके बाद शिवसागर में 49,000 से ज्यादा और जोरहाट में करीब 27,000 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में छह जिलों में 133 राहत शिविर और राहत सामग्री वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां करीब 45,000 विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कुल 481 गांव अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। बुलेटिन के मुताबिक धनसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ के पानी से कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 6 से 12 अगस्त के बीच अरुणाचल प्रदेश में और 8 से 11 अगस्त के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 6-7 अगस्त और 12 अगस्त को असम और मेघालय में और 6-12 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है। मौसम एजेंसी ने कहा कि कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित ज़िलों में 10 अगस्त से पढ़ाई फिर से शुरू करने की योजना का ऐलान किया है। साथ ही सरकार उन छात्रों के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी कर रही है जिनके स्कूल हाल की बाढ़ के कारण पहुंच से बाहर हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा था कि यह फैसला पढ़ाई में रुकावट को कम करने और यह पक्का करने के लिए लिया गया है कि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकें, भले ही बाढ़ से प्रभावित कई शिक्षण संस्थानों में मरम्मत का काम चल रहा हो, जो स्कूल अभी छात्रों को बैठाने लायक नहीं हैं, वे हालात सुधरने तक बंद रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अस्थायी सुविधाएं दी जाएंगी।

गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी ठहराव की मांग तेज, नवझारखंड जनएकता संगठन ने रेलवे को सौंपा ज्ञापन

मांग पुरी नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

बिभा संवाददाता

बरहरवा । गुमानी रेलवे स्टेशन पर मालदा हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की वर्षों पुरानी मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। जिसको लेकर नवझारखंड जनएकता संगठन ने मंडल रेल प्रबंधक हावड़ा मंडल को ज्ञापन सौंपकर जनहित में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। वहीं संगठन के अध्यक्ष फारोग अहसान की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि गुमानी एवं आसपास का क्षेत्र घनी आबादी वाला है, जहां हजारों छात्र-छात्राएं, व्यापारी, किसान, मरीज और नौकरीपेशा लोग प्रतिदिन रेल सेवा पर निर्भर रहते हैं। इसके बावजूद मालदाझहावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का गुमानी स्टेशन पर ठहराव नहीं होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यह कोई नई मांग नहीं है। इससे पहले भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों तथा ग्रामीणों द्वारा कई बार रेलवे प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। वर्ष 23झ24 में भी इस मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन और लोकतांत्रिक आंदोलन किए गए थे, लेकिन अब तक रेलवे प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। संगठन का कहना है कि गुमानी स्टेशन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। यह स्टेशन साहिबगंज और पाकुड़ जिले के हजारों यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय और रोजगार के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मालदा और हावड़ा की यात्रा करते हैं। ऐसे में इंटरसिटी एक्सप्रेस का यहां ठहराव न होना आम यात्रियों के लिए गंभीर असुविधा का कारण बना हुआ है। वहीं ज्ञापन के माध्यम से रेलवे प्रशासन से मांग की गई है कि जनहित और जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मालदाझ हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का गुमानी स्टेशन पर स्थायी ठहराव जल्द सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संगठन ने चेतावनी भी दी है कि यदि लंबे समय से लंबित इस मांग की फिर अनदेखी की गई तो क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर चरणबद्ध जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। इसके तहत लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन, रेल रोको और आवश्यकता पड़ने पर रेल चक्का जाम जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकते हैं, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी। वहीं ज्ञापन की प्रतिलिपि महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे (कोलकाता), वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (हावड़ा मंडल) तथा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नई दिल्ली को भी भेजी गई है।

बरहरवा अंचल में अपील मोटेशन की तकनीकी समस्या जल्द होगी दूर : निशात आलम

बिभा संवाददाता

बरहरवा । पाकुड़ विधायक निशात आलम ने शुक्रवार को झारखंड सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ से मुलाकात कर बरहरवा अंचल में अपील मोटेशन को लेकर आ रही तकनीकी समस्याओं से अवगत कराया। वहीं विधायक ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों से शिकायत मिलने के बाद उन्होंने बरहरवा अंचलाधिकारी एवं संबंधित कर्मचारियों से मामले की जानकारी ली। इस दौरान सामने आया कि अंचलाधिकारी के ऑनलाइन लॉगिन में अपील मोटेशन के बाद जारी होने वाले शुद्धि पत्र में क्रेता एवं विक्रेता का विकल्प प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इसके कारण जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित पक्षों के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं हो पा रहे हैं। बताया गया कि तकनीकी समस्या के कारण बरहरवा अंचल में पिछले करीब तीन महीने से लगभग 200 अपील मोटेशन लंबित हैं। हालांकि, नियमित मोटेशन की प्रक्रिया जारी है, लेकिन अपील मोटेशन में आ रही तकनीकी दिक्कत के कारण कई लोगों के जमीन संबंधी जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक निशात आलम ने मंत्री दीपक बिरुआ से जल्द समाधान की मांग की। विधायक के अनुसार, मंत्री ने संबंधित विभाग के सचिव को तत्काल समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है। साथ ही विधायक निशात आलम ने कहा कि मंत्री के आश्वासन के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उम्मीद है कि जल्द ही तकनीकी समस्या का समाधान हो जाएगा और बरहरवा अंचल के लोगों को लंबित अपील मोटेशन के कार्यों में राहत मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

मां की मौत की खबर सुन केरल से घर लौट रहा व्यक्ति लापता, छह दिन बाद भी नहीं मिला सुराग

तालझारी (बिभा)। तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मसकलैया निवासी 45 वर्षीय चंदन लाल शर्मा पिता कन्हैयालाल शर्मा बीते छह दिनों से लापता हैं। परिजनों के अनुसार उनकी मां का निधन 1 अगस्त 2026 की सुबह हो गया था। वहीं मां की मृत्यु की खबर मिलने के बाद चंदन लाल शर्मा उसी दिन केरल से ट्रेन पकड़कर अपने घर मसकलैया के लिए रवाना हुए थे। परिजनों ने बताया कि 1 अगस्त की रात करीब 9 बजे चंदन लाल शर्मा से फोन पर अंतिम बार बातचीत हुई थी। उस समय उन्होंने बताया था कि वह कोयंबटूर रेलवे स्टेशन पार कर चुके हैं और ट्रेन पकड़कर घर लौट रहे हैं। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया और उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। कहा काफी समय बीत जाने के बावजूद चंदन लाल शर्मा के घर नहीं पहुंचने पर परिजन लगातार उनकी खोजबीन कर रहे हैं। परिवार के लोगों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को उनके बारे में कोई जानकारी मिले तो तत्काल परिजनों को सूचित करें।

आगलगी से दो किराना दुकान जलकर राख, लाखों का हुआ नुकसान

उधवा(बिभा) । उधवा अंचल के उत्तरी बेगमगंज पंचायत अंतर्गत फुटानी बाजार में बीते गुरुवार की देर रात अचानक आग लगने से दो किराना दुकान जलकर राख हो गया। आगलगी की घटना में दुकान पर रखें सारा सामान सहित लाखों रुपए का नुकसान हो गया। हालांकि आग कैसी लगी है,इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। अग्नि पीड़ित मिस्त्री टोला निवासी दिपेन मंडल एवं भुपेन मंडल ने बताया कि फुटानी बाजार में दोनों भाई अलग-अलग किराना दुकान संचालन करते है। उन्होंने बताया कि बीते गुरुवार की रात साढ़े 12 बजे उन्हें सूचना मिली कि दुकान में अचानक आग लग गई है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचा तो पूरी दुकान जलकर राख हो गई थी। इस दौरान स्थानीय लोगों की सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आगलगी में दुकान में रखें चावल, आटा, गेहूं समेत अन्य खाद्य सामग्री पूरी तरह जलकर राख हो गया। वहीं अग्नि पीड़ित ने बताया कि आगलगी की घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने अंचल प्रशासन को लिखित आवेदन देकर उचित मुआवजा की गुहार लगाई है।

स्कूलों के विकास में अभिभावकों की बढ़ेगी भागीदारी, तालझारी में विद्यालय प्रबंधन समिति का होगा गठन

तालझारी (बिभा)। तालझारी प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और स्कूलों के विकास में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। विभागीय निर्देश के तहत सभी सरकारी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन की प्रक्रिया चल रही है। शनिवार को वृंदावन एवं सहरायढाप संकुल अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में समिति का गठन किया जाएगा। वहीं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रॉबिनचंद्र मंडल ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन दो वर्षों के लिए किया जाएगा। समिति के माध्यम से विद्यालयों में शैक्षणिक परिणाम में सुधार के साथ-साथ आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं को सुदृढ़ करने, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला की व्यवस्था बेहतर करने, कक्षाओं के उन्नयन, विद्यार्थियों की सुरक्षा व स्वास्थ्य, खेलकूद एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे कार्यों में समिति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके अलावा विद्यालय परिसर की स्वच्छता, हरित परिसर के विकास तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी समिति के माध्यम से कार्य किया जाएगा। विभाग का मानना है कि विद्यालय प्रबंधन में स्थानीय स्तर पर अभिभावकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी से स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार के साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास को भी गति मिलेगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर बैठक आज

उधवा (बिभा)। उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में शनिवार की दोपहर 1 बजे स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने बताया कि समारोह की रूपरेखा तय करने के लिए बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया जाएगा। बीडीओ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व है। इसे पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ का शिकंजा, 9 लीटर विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । रेलवे परिसर में अवैध रूप से शराब के परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आरपीएफ, सीआईबी मालदा एवं आरपीएफ पोस्ट साहेबगंज की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर शुक्रवार को साहेबगंज रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए 12 बोतल विदेशी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। बरामद रॉयल स्टैग व्हिस्की की कुल मात्रा 9 लीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत 9,840 रुपये बताई गई है। वहीं आरपीएफ को ट्रेन संख्या 13429 अप आनंद विहार टर्मिनल वीकली एक्सप्रेस से शराब के अवैध परिवहन की सूचना मिली थी। इसके बाद प्लेटफॉर्म संख्या दो पर संयुक्त टीम ने निगरानी और जांच अभियान चलाया। ट्रेन के करीब 11:59 बजे स्टेशन पहुंचने पर टीम ने एसी कोच में दो व्यक्तियों को अलग-अलग बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में देखा। दोनों यात्रियों ने बोल बम की वेशभूषा पहन रखी थी और भीड़ के बीच छिपने का प्रयास कर रहे थे। संदेह होने पर आरपीएफ टीम ने उन्हें रोककर बैगों की तलाशी ली, जिसमें विदेशी शराब बरामद हुई। वहीं पूछताछ के दौरान दोनों शराब के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुन्नी लाल साह (38) निवासी लखनपुर, थाना तारापुर, जिला मुंगेर बिहार व प्रकाश कुमार चौधरी (30), निवासी पुरानी साहेबगंज थाना नगर जिला साहेबगंज के रूप में हुई। वहीं तलाशी में मुन्नी लाल साह के बैकपैक से रॉयल स्टैग की चार बोतलें, प्रत्येक 750 एमएल, कुल तीन लीटर शराब बरामद हुई। इसकी अनुमानित कीमत 3,280 रुपये बताई गई। वहीं प्रकाश कुमार चौधरी के बैग से आठ बोतलें, प्रत्येक 750 एमएल, कुल छह लीटर शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत 6,560 रुपये आंकी गई है। वहीं पूछताछ में दोनों ने बताया कि शराब बरहरवा से खरीदी गई थी और उसे जमालपुर रेलवे स्टेशन ले जाया जा रहा था। वहां शराब को अवैध रूप से बेचकर आर्थिक लाभ कमाने की योजना थी। आरपीएफ ने शराब को विधिवत जब्त कर दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को भी दी गई। दोनों आरोपियों और जब्त शराब को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आरपीएफ पोस्ट साहेबगंज लाया गया, जहां उनके खिलाफ लागू कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्लाज्मा थेरेपी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, एमटी राजा ने विधानसभा में उठाई मांग

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज जिले में गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को प्लाज्मा थेरेपी के लिए दूसरे शहरों में रेफर किए जाने की समस्या को लेकर राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा में आवाज उठाई। उन्होंने सदन की कार्रवाई के दौरान तारांकित प्रश्न के माध्यम से जिले में प्लाज्मा थेरेपी एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। विधायक ने कहा कि साहेबगंज जिले में गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को जब प्लाज्मा थेरेपी की आवश्यकता होती है, तो बेहतर इलाज के लिए उन्हें दूसरे स्थानों पर रेफर किया जाता है। इससे मरीजों के साथ-साथ उनके परिजनों को आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सरकार से साहिबगंज सदर अस्पताल अथवा किसी उपयुक्त अस्पताल में प्लाज्मा थेरेपी उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यक प्लाज्मा भंडारण की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं विधायक के प्रश्न के जवाब में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार ने बताया कि साहेबगंज सदर अस्पताल में रक्त केंद्र संचालित है, जहां सभी प्रकार के रक्त की सुविधा उपलब्ध है। वहीं प्लाज्मा थेरेपी के लिए आवश्यक प्लाज्मा यूनिट की स्थापना को लेकर आधारभूत संरचना एवं मशीनों की स्थापना की प्रक्रिया जारी है। विभाग ने अपने जवाब में कहा कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही साहिबगंज जिले के लोगों को प्लाज्मा से संबंधित चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सकेगा। इससे गंभीर मरीजों को उपचार के लिए दूसरे जिलों में रेफर किए जाने की आवश्यकता कम होने की उम्मीद है।

लंबित आवास को जल्द करें पूरा : बीडीओ

उधवा (बिभा)। उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को लंबित अबुआ आवास व प्रधानमंत्री आवास को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने आवास कर्मियों के साथ पंचायतवार समीक्षा करते हुए लंबित आवास को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रखंड समन्वयक आवास संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि अबुआ आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 35 आवास तथा वर्ष 2024-25 में कुल 46 आवास लंबित है। साथ ही बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 980 आवास लंबित है। उक्त लाभुकों के बैंक खातों में द्वितीय किस्त की राशि भेजी गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रथम किस्त प्राप्त करने वाले कुल 1678 आवासों में निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं बीडीओ ने आवास कर्मियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने लंबित आवास को जल्द-जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

उधवा में नवपदस्थापित सीडीपीओ ने संभाला पदभार

बिभा संवाददाता

उधवा । बाल विकास परियोजना कार्यालय उधवा में गुरुवार को नवपदस्थापित सीडीपीओ भारती ने पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ जयंत कुमार तिवारी से उन्होंने पदभार ग्रहण किया। नवपदस्थापित सीडीपीओ ने महिला पर्यवेक्षिका के साथ बैठक की और विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन,पोषाहार वितरण,कुपोषण मुक्त अभियान और अन्य सरकारी योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता होगी। कोई भी लाभुक सरकारी सुविधा से वंचित नहीं रहें। यह सुनिश्चित किया जाएगा। मौके पर प्रभारी प्रखंड राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, प्रधान सहायक अरुण कुमार गुप्ता, अंचल लिपिक मो. सेराजुल हक, जनसेवक अब्दुस सलाम, चौकीदार मम्पी कुमारी, पूजा कुमारी, सौरभ घोष सहित अन्य मौजूद थे।

फाइलेरिया प्रभावित दिव्यांगजनों को मिली ट्राइसाइकिल, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा कदम

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल अनुमंडल अस्पताल परिसर में शुक्रवार को फाइलेरिया (हाथीपांव) से प्रभावित दिव्यांगजनों के बीच ट्राइसाइकिल का वितरण किया गया। लंबे समय से चलने- फिरने में कठिनाई का सामना कर रहे लाभार्थियों को ट्राइसाइकिल मिलने से उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। कार्यक्रम में राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने लाभार्थियों के बीच ट्राइसाइकिल वितरित की। इस दौरान राजमहल सीएचसी के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, बीपीएम अमित कुमार, केटीएस डेनियल किस्कू, मनीष सहित पिरामल फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम लीड श्रवण कुमार झा, प्रोग्राम मैनेजर ऐमन दास और प्रोग्राम ऑफिसर श्रीकांत पंडित मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग एवं पिरामल फाउंडेशन के अन्य कर्मियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं अधिकारियों ने कहा कि फाइलेरिया महज एक बीमारी नहीं है, बल्कि समय पर उपचार और बचाव नहीं होने पर यह व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसके लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और समय पर उपचार जरूरी है। वहीं कार्यक्रम के दौरान लोगों से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सहयोग करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) अभियान के तहत सभी पात्र लोग स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करें। साथ ही मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए घर और आसपास साफ-सफाई रखने, जलजमाव नहीं होने देने तथा नियमित रूप से मच्छरदानी का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि हाथ, पैर या अंडकोष में असामान्य सूजन दिखाई देने पर इसे नजरअंदाज न करें और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच व उपचार कराएं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने फाइलेरिया मुक्त साहेबगंज के निर्माण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया।

ट्रेन के शौचालय की छत में बना रखा था गुप्त ठिकाना, 40 बीयर कैन के साथ तस्करी का प्रयास नाकाम

बिभा संवाददाता

बरहरवा । रेलवे के जरिए अवैध शराब की तस्करी का एक अनोखा मामला सामने आया है। बरहरवा से तीनपहाड़ के बीच हावड़ाझगया एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में तलाशी के दौरान आरपीएफ ने शौचालय की छत में छिपाकर रखी गई बडवाइजर मैग्नम बीयर की 40 कैन बरामद कीं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब छह हजार रुपये बताई गई है। आरपीएफ को गुप्त सूचना मिलने के बाद बरहरवा स्टेशन पर विशेष जांच अभियान शुरू किया गया। आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में टीम ने ट्रेन संख्या 13023 के स्लीपर कोच एस-2 और एस-3 की जांच की। इस दौरान आरपीएफ एस्कॉर्ट पार्टी के जवान भी अभियान में शामिल हुए। वहीं जांच के दौरान एस-3 कोच के शौचालय की छत पर लगे प्लाईवुड पैनल पर जवानों को संदेह हुआ। स्क्रूड्राइवर की मदद से पैनल खोलने पर अंदर एक गुप्त स्थान मिला। इसी जगह से 500 मिलीलीटर क्षमता वाली बडवाइजर मैग्नम बीयर की 40 कैन बरामद की गईं। शराब को इस तरह छिपाकर रखा गया था कि सामान्य तलाशी के दौरान उसके आसानी से नजर आने की संभावना कम थी। आरपीएफ के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला अवैध शराब की खेप को रेल मार्ग से ले जाने के प्रयास का प्रतीत होता है। वहीं बरामद बीयर को तीनपहाड़ स्टेशन पर उतारा गया और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब्ती की कार्रवाई पूरी की गई। इसके बाद जब्त सामग्री को सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। वहीं आरपीएफ ने मामले की सूचना साहेबगंज उत्पाद विभाग को दे दी है। जब्त शराब को नियमानुसार उत्पाद विभाग को सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब किसने छिपाई थी और इसे कहां ले जाया जा रहा था। वहीं शौचालय की छत में छिपी शराब की बरामदगी ने यह भी सवाल खड़ा किया है कि रेल मार्ग से शराब की तस्करी करने वाले तस्कर किस तरह जांच एजेंसियों को चकमा देने के लिए ट्रेन के अंदर नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव का शुभारंभ, साहेबगंज के दो वनकर्मी सम्मानित

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । रांची के ताना भगत इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को 77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव महज पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रही है। ऐसे में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। साथ ही उन्होंने लोगों से स्थानीय एवं फलदार प्रजातियों के पौधे लगाने की अपील की। महुआ, कटहल, जामुन और करंज जैसे पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण को बढ़ावा देने पर भी उन्होंने बल दिया। वहीं वन महोत्सव के दौरान वन संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। इसमें साहिबगंज वन प्रमंडल के राजीव रंजन प्रसाद को लघु वन उत्पाद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मान मिला। वहीं लक्ष्मण मुर्मू को जीवाश्म (फॉसील) संरक्षण एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं समारोह में राज्यभर से वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी समेत पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में हरित आवरण बढ़ाने, जैव विविधता के संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बोले: डिग्री के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है, युवा बनें जॉब क्रिएटर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित पोखारी के नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह शुक्रवार को गरिमामय माहौल में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मदन मोहन सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. प्रभात कुमार पाणी (पीके पाणी), रजिस्ट्रार नागेंद्र सिंह (नागेंद्र कुमार), मुजीब अशरफ, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन की नई यात्रा का प्रारंभ है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने साथ केवल प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान, नैतिक मूल्य, उत्तरदायित्व और समाज के प्रति कर्तव्यबोध लेकर जा रहे हैं। उन्होंने छात्रों से अपनी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साहस, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व क्षमता को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और सही अवसर उपलब्ध कराने की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सराहना करते हुए कहा कि आज का दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप और अनुसंधान का है। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्योगों से समन्वय, शोध को बढ़ावा देने और परिसर को पूर्णतः नशामुक्त बनाने की अपील की। साथ ही शिक्षकों से विद्यार्थियों के लिए केवल अध्यापक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत बनने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षित, सक्षम और जिम्मेदार युवा ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।

मुरहू साप्ताहिक बाजार के शेड में कूड़ा का अम्बार

बाजार में कूड़ा का ढेर कर रहा अर्थव्यवस्था प्रभावित और दुर्घटना व बिमारी का कारक : अरुण

बिभा संवाददाता

खूँटी । मुरहू प्रखंड का प्रसिद्ध साप्ताहिक बाजार इन दिनों गंदगी और कूड़े के अंबार की समस्या से जूझ रहा है। बाजार शेड, जहां दुकानदारों को बैठकर कारोबार करना चाहिए, वहां कूड़ा जमा होने के कारण दुकानदार मुख्य सड़क के किनारे दुकानें लगाने को मजबूर हैं। इससे न केवल उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, बल्कि खूँटीझ चाईबासा मुख्य मार्ग पर यातायात भी बाधित हो रहा है।

मुरहू का यह साप्ताहिक बाजार प्रखंड के पूर्वी, दक्षिणी एवं पश्चिमी सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों के लिए खरीद-बिक्री का प्रमुख केंद्र है। लेकिन बाजार परिसर में सफाई व्यवस्था नहीं होने, बदबू और मच्छरों के प्रकोप के कारण ग्राहक भी बाजार शेड के भीतर जाने से कतराने लगे हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे जमीन पर बैठकर व्यापार करना दुकानदारों के लिए मुश्किल हो गया है।

दुकानदारों का कहना है कि वे खूँटी सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से दुकान लगाने आते हैं, लेकिन शेड में जगह उपलब्ध नहीं होने और कूड़ा फैले रहने के कारण सड़क किनारे बैठना पड़ता है। इससे ग्राहकों की संख्या घट रही है और बिक्री पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं खरीदारी करने आए लोगों ने भी बाजार परिसर की गंदगी और दुर्गंध पर नाराजगी जताते हुए नियमित सफाई की मांग की।

दुकानदारों ने बताया कि जहाँ 8-10 हजार रुपए बिक्री करते थे लेकिन अब हजार दो हजार रूपए ही बिक्री हो पाती है और खर्च भी बढ़ जाता है। बाजार में वसूली करनेवाला ठीकेदार साफ सफाई कु व्यवस्था नहीं करता है। लेकिन मासूल उठाता है।

मुरहू के उपप्रमुख अरुण साबू ने कहा कि बाजार परिसर में जहां दुकानदार और ग्राहक होने चाहिए, वहां कूड़े का ढेर लगा है। इसके कारण सड़क पर दुकानें लग रही हैं, जिससे जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि इस समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने बाजार परिसर की नियमित सफाई, कचरा निष्पादन और शेड को अतिक्रमण व गंदगी से मुक्त कराने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

चिन्मया विद्यालय, साउथ पार्क में जुस्को द्वारा डेंगू जागरूकता अभियान

जमशेदपुर(बिभा) : चिन्मय विद्यालय, साउथ पार्क जुस्को के सहयोग से डेंगू जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को डेंगू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ एक नाटक से किया गया । इस अवसर पर विशेषज्ञों ने डेंगू के कारण, लक्षण, रोकथाम तथा स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। घरों एवं आसपास पानी जमा न होने देना, नियमित सफाई रखना, मच्छरदानी का उपयोग करना तथा पूरी बांह के कपड़े पहनना डेंगू से बचाव के प्रभावी उपाय हैं जुस्को की टीम ने यह भी बताया कि सामुदायिक सहभागिता से ही डेंगू जैसी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य ने जुस्को के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी डेंगू से बचाव के उपाय बताने का आग्रह किया।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल और प्रतीक चिह्न देकर किया सम्मानित

जमशेदपुर(बिभा): टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन प्रांगण में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान में मासिक विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह ने संयुक्त रूप से सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर तथा प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए। अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद और महामंत्री आरके सिंह ने सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और यूनियन के सफल संचालन के लिए सुझाव देने की अपील की। महामंत्री आरके सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियों को भरोसा दिलाया कि यूनियन सदैव उनके सहयोग के लिए तत्पर रहेगी। इस समारोह में इंजन डिवीजन से अरुण कुमार सिंह व सुभाष सिंह, फ्रेम फैक्ट्री से कन्हैया ओझा तथा फाउंड्री डिवीजन से संतोष दत्ता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन, यूनियन के पदाधिकारी, कमेटी मेंबर और आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य उपस्थित थे। मंच का संचालन अशोक उपाध्याय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

आगामी 12 सितम्बर को व्यवहार न्यायालय में लगेगा राष्ट्रीय लोक अदालत

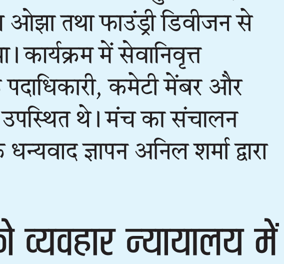

खूँटी(बिभा) । आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत व्यवहार न्यायालय में शुक्रवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने जिले के सम्बन्धित विभागों और संस्थानों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उक्त बैठक में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया । जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम सुयोग्य वादों के निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि लोक अदालत की संस्था वादकारी जनता को उनके विवादों के सौहार्दपूर्ण, त्वरित एवं व्ययरहित निपटारे का एक विशिष्ट अवसर प्रदान करती है। उन्होंने उत्पाद विभाग, वन विभाग, विद्युत विभाग तथा मोटरयान अधिनियम से संबंधित वादों पर विशेष बल देते हुए संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सुयोग्य लंबित वादों की सम्यक पहचान की जाए, संबंधित पक्षकारों पर समय-रहते नोटिस की तामिला सुनिश्चित की जाए, लोक अदालत की तिथि को उत्तरदायी पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया जाए, तथा पीठों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि अधिकतम संभव निष्पादन प्राप्त किया जा सके kउन्होंने लोगों से अपील किया है कि खूँटी के कार्यालय से khuntidlsa@gmail.com पर अथवा व्यवहार न्यायालय परिसर, खूँटी स्थित फ्रंट ऑफिस के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है। बैठक में अपर समाहर्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडलीय न्यायिक दण्डाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक-जिला परिवहन कार्यालय, प्रमंडलीय वन कार्यालय के प्रतिनिधि; उत्पाद अधीक्षक, विद्युत आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधि; नगर पंचायत के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, खूँटी; बी.एस.एन.एल., खूँटी के प्रतिनिधि; तथा श्रम विभाग, खूँटी के प्रतिनिधि ने भाग लिया। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश बेहरा ने दी।

उपायुक्त ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

8 एवं 9 अगस्त को सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक आयोजित होंगे विशेष शिविर

बिभा संवाददाता

खूँटी । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी जावेद हुसैन ने मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्रप्र)-2026 के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में बताया गया कि 5 अगस्त 2026 को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जा चुका है, सभी पात्र मतदाता मतदाता सूची प्रारूप में अपने नाम की जांच जरूर कर लें तथा 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त किए जाएँगे। इसी क्रम में 8 एवं 9 अगस्त तथा 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहाँ पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

उपायुक्त ने बताया कि आगामी 15 अगस्त को सभी पंचायत भवनों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। वहीं 25 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक होम-टू-रोल वेरिफिकेशन अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो तथा जिन परिवारों के सदस्यों का नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज है, वे फॉर्म-8 के माध्यम से एक ही मतदान केंद्र पर अपना नाम स्थानांतरित करा सकें। साथ ही अभियान के दौरान ₹एक परिवार-एक साथ स्टिकर भी घरों पर लगाए जाएँगे।

सरकारी सेवा में नियोजन से सम्बन्धित जिला अनुकम्पा समिति की बैठक

खूँटी । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान एवं सरकारी सेवा में नियोजन से सम्बन्धित जिला अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कुल 05 मामलों की गहन समीक्षा कर उपायुक्त ने सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने एवं रिपोर्ट प्राप्त करने का निर्देश दिया, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रक्रियाओं को पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ पूर्ण किया जाए तथा पात्र आश्रितों को नियमानुसार लाभ प्रदान किया जाए। इस बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला कल्याण पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, जिला कोषागार पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस को लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

तमाड़(बिभा) । आगामी 9 अगस्त को मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को पाँच परगना क्षेत्र के सम्पूर्ण आदिवासी समाज संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उलिडीह मौजा स्थित रोलाडीह टोडांग मैदान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, आगंतुकों की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। निरीक्षण में पाँच परगना क्षेत्र के सम्पूर्ण आदिवासी समाज के अध्यक्ष पंचानन सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष सिदाम सिंह मुंडा, कोषाध्यक्ष धनेश्वर मुंडा, मुनालाल मुंडा, सेवानिवृत्त शिक्षक श्यामलाल सिंह मुंडा, महेश सिंह मुंडा, मधुसूदन सिंह मुंडा, दलगोविन्द सिंह मुंडा, डोमन सिंह मुंडा, अजय सिंह मुंडा एवं सागर सिंह मुंडा सहित अन्य लोग उपस्थित थे. पदाधिकारियों ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस को पारम्परिक रीति-रिवाज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य रूप से मनाया जाएगा।

परिवार नियोजन कार्यक्रम में बेहतर करने वाले सेवा प्रदाता हुए सम्मानित

बिभा संवाददाता

खूँटी । सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत विश्व जनसंख्या स्थिरता अभियान के दौरान परिवार नियोजन सेवाएँ में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले चिकित्सा पदाधिकारी , स्वास्थ्य कर्मी एवं सहिया को सिविल सर्जन सभागार में सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक के द्वारा द्वीप प्रजलित कर किया गया। अपने सम्बोधन में डॉ ललित रंजन पाठक ने बताया कि परिवार नियोजन से न सिर्फ परिवार का विकास होता है बल्कि इसके साथ मातृत्व स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य भी बेहतर होता है वर्तमान परिस्थिति में ये सभी स्वास्थ्य कर्मी का कर्तव्य है कि वो योग्य दम्पतियों को परिवार नियोजन विधियों का व्यापक प्रचार प्रसार के माध्यम से जोड़ा जाए जिला परिवार नियोजन पदाधिकारी डॉ रजनी नीलम टोप्पो ने बताया कि योग्य दम्पतियों को परिवार नियोजन विधियों से जोड़ने के लिए अनेक प्रकार के गतिविधियां किया जा रहा है जैसे सास बहू पति सम्मेलन, परिवार कल्याण दिवस , मिशन परिवार विकास आदि उन्होंने सभी बेहतर करने वाले कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किए एवं खूंटी जिला को और बेहतर करने के लिए निर्देशित किए जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ शोभा किस्पोट्टा ने बताया कि दो बच्चों में उचित अंतराल और टीनेज प्रैग्नेंसी पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है

जिला कार्यक्रम प्रबंधक कानन बाला तिर्की ने बताया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम में एक नया विधि इंप्लांट विधि जुड़ गया है जो महिलाओं के लिए बहुत ही असरदार है और यह प्रतिदिन जिला अस्पताल में प्रशिक्षित सेवा प्रदाता के द्वारा लगाया जा रहा है

बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की पहल 1000 कांवरिया 9 अगस्त को रवाना होंगे सुल्तानगंज

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बाबा बैजनाथ सेवा संघ के संस्थापक विकास सिंह ने मानगो बैठक में कहा कि 1000 कांवरिया गाजे-बाजे और बोल बम के जयकारों के साथ रविवार के दिन मानगो से सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे । शिव परिवार की जीवंत झांकी भी यात्रा प्रस्थान करते समय यात्रा में शामिल रहेंगे । विकास सिंह ने बताया की शहर के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु अलग-अलग स्थानो पर एकत्र होंगे । सोनारी के कांवरिया बाबा भूतनाथ मंदिर में, कदमा और बिष्टुपुर के कांवरिया रंकणी मंदिर के पास, साकची और मानगो के लोग हीरा होटल के समय एकत्र होंगे। सभी कांवरिया का समागम मानगो के हीरा होटल के सामने दुर्गा पूजा मैदान में होगा जहां संघ के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है

हर शिवभक्त एक फूल है जिसे वह एक धागे में पिरोकर बाबा को अर्पण करने का कार्य करेंगे । 9 अगस्त को जलाभिषेक करने के लिए यात्रा सुल्तानगंज रवाना होगा। 10 अगस्त को सभी कांवरिया सुल्तानगंज पहुंचकर उत्तर वाहिनी गंगा से गंगाजल भरेंगे इसके बाद बाबा नगरी देवघर की ओर पैदल यात्रा आरंभ होगी। पहले दिन लोग असरगंज के धांधीबिलारी धर्मशाला में रात्रि के समय विश्राम करेंगे प्रत्येक पड़ाव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी होगा । यात्रा में भोजन, पानी , सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्राथमिक चिकित्सा की पूर्ण व्यवस्था की गई है । सेवा कार्यों में सैकड़ो सेवक और सेविकाएं सक्रिय रहेगी। रात्रि के समय रेडियमयुक्त कपड़े पहनकर साइकिल से सेवा करने वाले लोग कांवरिया पद पर गश्ती कर यात्रा में शामिल लोगों को अपने पड़ाव की ओर ले जाएंगे ।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन ने की जाति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया सरल बनाने की मांग मुख्यमंत्री के नाम डीसी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को सरल बनाने तथा तेली समाज की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम को एक ज्ञापन सौंपा।

तेली साहू समाज के लोगों द्वारा उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक रंगनाथ प्रसाद चंद्रिका प्रसाद एवं विदेशी साव शोभा साहू सत्यदेव प्रसाद शामिल हुए शुक्रवार को मौके पर जिला अध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था के कारण ओबीसी/ईबीसी वर्ग में शामिल तेली समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र निर्णय ले, ताकि तेली समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में राहत मिल सके और वे सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त कर सकें

टाटा स्टील की भूमि पर रहने वाले परिवारों या भारतीय राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की अनुशंसा पर भी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाए। इसके अलावा पिता की सर्विस बुक, पेंशन रिकॉर्ड, मतदाता सूची और स्कूल प्रमाण पत्र में दर्ज तेली जाति को भी साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने तथा सभी अंचलों में विशेष शिविर लगाकर 15 दिनों के भीतर लंबित आवेदनों का निष्पादन करने की मांग की गई है। प्रदर्शन करने वाले में मुख्य रूप से जिला के महामंत्री अशोक साहू, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शिवलोचन साव उर्फ राहुल, वरीय उपाध्यक्ष रणजीत कुमार साव, आनंद गुप्ता, वीरेंद्र साहू, उपेंद्र साहू, मनोज साहू, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गौतम साहू, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पूजा साहू, मनीष साहू, इंद्र नारायण, शिव शंकर साहू, गणेश साहू, संजय साहू, कृष्णा साहू, संजय कुमार साहू, पंकज साहू, कमलेश साहू, दिलीप साहू, लक्ष्मण साहू, कन्हैया लाल प्रसाद, उमेश साहू, राजू साहू, जितेंद्र साहू, यशवंत कुमार साहू, सागर साहू, सुरेश प्रसाद, राहुल साहू, आलोक साहू, रीता देवी, रेनू साहू, रेनू गुप्ता, मीना देवी, सोनी देवी, सत्यदेव प्रसाद, पप्पू साहू, कामता प्रसाद, अवधेश कुमार, रंजीत कुमार साहू, पूजा साहू, चंदन कुमार, जितेंद्र साहू, राजू साहू, सैकड़ो की संख्या में साहू समाज के सम्मानित लोग उपस्थित थे।

ऋ्बागबेड़ा कॉलोनी में कचरा और गड्ढे को लेकर पंचायत समिति सदस्य ने सौपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर-3 की मुख्य सड़क से कचरा नहीं हटाने एवं रोड नंबर-2 के गड्ढे का पक्कीकरण नहीं करने के विरोध में पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता को मांग पत्र सौंपा। सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि बागबेड़ा कॉलोनी में 2 महत्वपूर्ण कार्य काफी लंबे समय से लंबित हैं। कॉलोनी की मुख्य सड़क पर कचरा का ढेर लगा हुआ है, जिसे अब तक नहीं हटाया गया है। इससे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। वहीं रोड नंबर-2 में पूर्व में किए गए कार्य के बाद खोदे गए गड्ढे का पक्कीकरण नहीं किया गया है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है और आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। श्री गुप्ता ने मांग की है कि संबंधित संवेदक को अविलंब निर्देश देकर दोनों कार्य पूर्ण कराए जाएं। यदि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं किए जाते हैं तो संबंधित संवेदक को ब्लैक लिस्ट कर उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।

मांग पत्र प्राप्त करने के बाद विभाग के कनीय अभियंता ने श्री गुप्ता को आश्वासन दिया कि संवेदक से जल्द ही सारे कार्य को पूर्ण करवाया जाएगा।

वैश्विक तनाव के बीच भी सोना 497 रुपए चढ़ा, चांदी भी 2,157 रुपए उछली

सोना 1,49,457 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,28,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और चीन के संस्थागत निवेशकों की बढ़ती खरीददारी से सुरक्षित निवेश के रूप में सोना और चांदी आकर्षक बने हुए हैं। शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में शुक्रवार को इन धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर वायदा भाव 599 रुपये की मजबूती के साथ 1,49,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में यह 1,49,554 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी का सितंबर वायदा 2,164 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसने 2,28,095 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ। यह उछाल वैश्विक रुझानों और घरेलू मांग दोनों का परिणाम है, जिससे दोनों धातुएं इस साल अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर के करीब पहुंच रही हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना शुक्रवार को 4,320 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 19 डॉलर से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं चांदी भी 0.86 डॉलर की तेजी के साथ 62.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक स्थिरता की तलाश में निवेशक लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा इन कीमती धातुओं को मिल रहा है। चीन के संस्थागत निवेशकों द्वारा गोल्ड-समर्थित परिसंपत्तियों में बढ़ती दिलचस्पी और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी भी सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती प्रदान कर रही है।

आरबीआई का निर्देश- कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे। हालांकि, यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी। आरबीआई ने यह कदम कर्ज वसूली और रिकवरी एजेंसियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों के उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार की बढ़ती शिकायतों के बाद उठाया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 65 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर टूटे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंक टूटकर 78,499.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 65.35 अंक फिसलकर 24,570.65 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स के केवल 14 शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बचे हुए 16 शेयर गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी 50 की भी 50 में से 24 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ लाभ पर बंद हुए और शेष सभी 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये।आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा समूह की आईटी कंपन टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.53 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस के शेयरों में आज सबसे अधिक गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा,

एसबीआई सहित कई कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा, भारतीय स्टेट बैंक , टेक महिंद्रा, बीईएल, इन्फोसिस और एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही। दूसरी ओर सप्ताह के अंतिम दिन बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील , एचडीएफसी बैंक, अडाणी पोर्ट्सके शेयरों में गिरावट रही।

फाइब की प्रबंधित परिसंपत्तियां 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ पहुंचीं

व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण से मिली बढ़त

नई दिल्ली ।

डिजिटल ऋण मंच फाइब, जिसने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं, ने अपनी प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है। कंपनी के डीआरएचपी के अनुसार मार्च 2026 तक इसकी एयूएम 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण कारोबार का प्रमुख योगदान होगा। दस्तावेजों से पता चलता है कि फाइब की एयूएम में पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

मार्च 2024 में 4,064 करोड़ रुपये से बढ़कर यह मार्च 2025 में 5,268 करोड़ रुपये हो गई और मार्च 2026 तक 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कुल प्रबंधित परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत ऋण की हिस्सेदारी 6,657 करोड़ रुपये (77 प्रतिशत) रही, जबकि उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण का आकार 1,946 करोड़ रुपये था। फाइब का उद्देश्य आधारित वित्तपोषण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बीमा, यात्रा, ई-कॉमर्स और छत पर सौर ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैला है। कंपनी ने जून में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

एयरलाइन ने यात्रियों की निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अ धिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया। 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत, सदस्य पात्र उड़ानों के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर भी अंक अर्जित कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इसे ग्राहकों को अधिक मूल्य और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी अ धिकारी ने अकासा एयर को 'अनुभव आधारित विमानन सेवा' करार देते हुए कहा, हमने अपने ग्राहकों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मेहनत की है। ऐसे में ग्राहक लॉयल्टी कार्यक्रम की शुरुआत उनके प्रति आभार व्यक्त करने का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि तीसरे वर्ष में प्रवेश के साथ उनका ध्यान अनुशासित वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहकों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहेगा।

त्योहारी सीजन में महंगा होगा घर-गाड़ी खरीदना

तांबा, एल्युमीनियम जैसी प्रमुख धातुओं के दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारी सीजन में घर और वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है।

वैश्विक बाजारों में औद्योगिक धातुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के चलते टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और नई गाड़ियों के दाम बढ़ने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति संकट के कारण तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और निकल जैसी औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ता उत्पादों पर पड़ेगा। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का औसत भाव 1.8 फीसदी उछलकर 14,369.50 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो जनवरी के बाद सबसे अधिक है। भारत में भी तांबे के दाम 2.56 फीसदी बढ़कर 1304.90 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जबकि एक महीने पहले यह 1187.85 रुपये प्रति किलोग्राम था। एल्युमीनियम में भी पांच फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। कांगो द्वारा कॉपर और कोबाल्ट कंसंट्रेट के निर्यात पर प्रतिबंध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में बाधा, और साल की शुरुआत से जिंक के वेयरहाउस स्टॉक में 75 फीसदी की भारी गिरावट ने कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा सेंटरों और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण अमेरिका और चीन द्वारा तांबे की अंधाधुंध खरीदारी और जमाखोरी भी प्रमुख वजहों में से एक है। घरेलू उपकरणों और वाहनों के निर्माण में तांबा, स्टील और एल्युमीनियम जैसे धातु मुख्य कच्चे माल होते हैं। इन धातुओं की बढ़ती कीमतें सीधे विनिर्माण लागत को बढ़ाती हैं, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों को वहन करना पड़ेगा।

युवाओं की मानसिक सेहत बिगाड़ने पर मेटा पर लगा 5,000 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको कोर्ट का कड़ा फैसला; कंपनी को बच्चों के यौन शोषण की जानकारी छिपाने का भी दोषी पाया गया

सैन फ्रांसिस्को ।

सोशल मीडिया दिग्गज मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) को न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने युवाओं की मानसिक सेहत को पहुंचाए गए नुकसान के लिए 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपए) का भुगतान करने का कड़ा आदेश दिया है। यह फैसला उस बहुचर्चित मुकदमे का हिस्सा है जिसमें मेटा को मार्च में करारी हार का सामना करना पड़ा था। न्यायाधीश ब्रायन बीडशाइड ने अपने फैसले में कहा कि इस राशि का बड़ा हिस्सा, यानी 42 करोड़ डॉलर, युवाओं के उपचार से जुड़ी सेवाओं पर खर्च किया जाएगा। शेष राशि अगले पांच वर्षों के दौरान जागरूकता, रोकथाम, जांच सेवाओं और अन्य संबंधित खर्चों पर लगाई जाएगी। अदालत ने मार्च में मुकदमे के पहले चरण में मेटा पर 37.5 करोड़ डॉलर का दीवानी जुर्माना भी लगाया था। उस समय, अदालत ने माना था कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया और अपने मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित उपलब्ध जानकारी को छिपाया। हालांकि अभियोजकों द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद, अदालत ने मेटा के कामकाज में बुनियादी बदलावों जैसे लत लगाने वाले फीचर पर अंकुश लगाने या उम्र के सत्यापन की व्यवस्था में सुधार का आदेश देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बाल ऑनलाइन निजता संरक्षण अधिनियम के कारण वह मेटा को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आयु सत्यापन उपकरण लागू करने या निजी जानकारी एकत्र करने का आदेश नहीं दे सकती। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इसे केवल एक कंपनी पर थोपना अनुचित बताया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की तेजी के साथ ही 95.03 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.28 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार आयातकों की डॉलर मांग और रुपये में आई मजबूती के बाद मुनाफावसूली के दबाव से रुपये पर प्रभाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.28 प्रति डॉलर तक फिसल गया।

यह पिछले बंद भाव की तुलना में छह पैसे फिसला। वहीं रुपया गुरुवार को 14 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 99.95 पर पहुंच गया।

डिजिटल क्रांति में भी एलआईसी के एजेंटों का दबदबा कायम

नए व्यक्तिगत कारोबार में एजेंटों की हिस्सेदारी 93 फीसदी से अधिक

नई दिल ली ।

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के लिए उसके एजेंट आज भी कारोबार की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। जहां अन्य कंपनियां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोर दे रही हैं, वहीं एलआईसी के नए व्यक्तिगत कारोबार का 93 फीसदी से अधिक हिस्सा अब भी उसके 14.5 लाख एजेंटों के जरिए ही आ रहा है, जो तकनीक के दौर में भी मानवीय संपर्क की अहमियत दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एलआईसी के इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में एजेंसी चैनल की हिस्सेदारी बढ़कर 93.1 फीसदी हो गई। एजेंटों के जरिए आने वाला नया प्रीमियम भी एक साल में 15 फीसदी बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार एल आईसी के पास करीब 14.5 लाख एजेंट हैं, जिनमें से 53 फीसदी पांच साल से अधिक समय से कंपनी के साथ हैं। एजेंटों की संख्या मामूली घटने के बावजूद, कंपनी अब उनकी ट्रेनिंग और काम की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दे रही है।

इसके विपरीत, बैंक एश्योरेंस से आने वाला इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम एक साल में 9

फीसदी घटा है, और डायरेक्ट चैनल से भी कारोबार में 13 फीसदी की गिरावट आई है। ब्रोकर चैनल में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एलआईसी डिजिटल प्लेटफॉर्म आनंदा ऐप के जरिए पॉलिसियों की हिस्सेदारी बढ़ने पर भी काम कर रही है, जो अब 14.1 फीसदी हो गई है। कंपनी का मानना है कि डिजिटल उपकरण एजेंटों के काम को आसान बनाने और उन्हें सशक्त करने का माध्यम बनेंगे, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करने का।

कच्चे तेल में तेजी, ब्रेंट 83 डॉलर के पार

होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता से बढ़ी आपूर्ति चिंता

नई दिल ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड अक्टूबर वायदा 1.22 फीसदी बढ़कर 83.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई सितंबर वायदा 1.01 फीसदी की बढ़त के साथ 78.07 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। इस तेजी की मुख्य वजह मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं। बाजार की नजर विशेष रूप से रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और जहाजों की आवाजाही में संभावित बाधा की आशंका ने आपूर्ति प्रभावित होने का डर पैदा किया है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता भी कीमतों में जोखिम बढ़ा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न होने से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकरों पर हमलों की खबरों ने भी आपूर्ति संबंधी चिंताओं को बल दिया है, जिससे प्रमुख समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से ढुलाई लागत बढ़ने और देरी होने की आशंका है।

कच्चे तेल की आगे की चाल काफी हद तक मध्य पूर्व के घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। यदि अमेरिका-ईरान वार्ता में ठोस प्रगति होती है या होर्मुज में सामान्य आवाजाही के संकेत मिलते हैं तो कीमतों पर दबाव आ सकता है। वहीं, तनाव बढ़ने या नई आपूर्ति बाधा की खबर आने पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में और तेजी आ सकती है। फिलहाल, आपूर्ति से जुड़ा जोखिम वैश्विक बाजार में कीमतों को लगातार सहारा दे रहा है।

आरबीआई का नया फ्रेमवर्क- अब लोन वसूली होगी ज़्यादा पारदर्शी और जिम्मेदार

1 जनवरी 2027 से लागू होंगे नए नियम; बैंकों को विस्तृत पॉलिसी बनानी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कमर्शियल बैंकों द्वारा लोन रिकवरी को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए नया व्यापक फ्रेमवर्क जारी किया है।

1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले ये नियम रिकवरी एजेंटों पर सख्ती, उधार लेने वालों की सुरक्षा के बेहतर उपाय और टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी सिस्टम पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

यह केवल कमर्शियल बैंकों पर लागू होगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एक विस्तृत रिकवरी पॉलिसी बनानी होगी, जिसमें रिकवरी शुरू करने की शर्तें और नियमों के उल्लंघन पर मुआवजे जैसे बिंदु स्पष्ट हों। रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति से पहले जांच और एजेंटों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) या आरबीआई मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रमाणन अनिवार्य है। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर रिकवरी एजेंसियों की अपडेटेड सूची प्रकाशित करनी होगी। कर्जदारों को एजेंट के पहली बार मिलने से एक दिन पहले सूचना देनी होगी।

एजेंटों के पास पहचान पत्र और ऑथराइज़ेशन लेटर ज़रूरी होगा; वे सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। गाली-गलौज, धमकी, अत्यधिक कॉल, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर जानकारी उजागर करना सख्त वर्जित है।

शोक या मेडिकल इमरजेंसी जैसे संवेदनशील मौकों पर संपर्क से बचना होगा।

टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी में बैंक उधार लेने वाले के मोबाइल फ़ोन को दूर से तभी बंद कर सकते हैं, जब लोन उसी डिवाइस के लिए हो और वह भी 30 या 60 दिनों की देरी के बाद। आवश्यक सेवाओं को ब्लॉक नहीं किया जा सकता। गलत तरीके से डिवाइस ब्लॉक करने पर बैंक को प्रति घंटे 250 रुपए का मुआवजा (अधिकतम लोन राशि तक) देना होगा। बैंकों को शिकायत निवारण प्रणाली भी बनानी होगी।

दमदार बिक्री के बावजूद हीरो मोटोकॉर्प का लाभ 16.86 फीसदी गिरा

पिछले साल के एकमुश्त लाभ के कारण शुद्ध मुनाफा प्रभावित

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंसॉलिडेटेड शुद्ध लाभ में 16.86 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का पीएटी घटकर 1,417.93 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,705.65 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस गिरावट की मुख्य वजह पिछले साल के ऊंचे आधार और 722 करोड़ रुपए के एकमुश्त लाभ को बताया है, जो सहयोगी कंपनियों में निवेश की हिस्सेदारी कम होने से मिला था। हालांकि, मुनाफे में कमी के बावजूद, हीरो मोटोकॉर्प ने ऑपरेशंस से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 13,126.35 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 9,727.75 करोड़ रुपये था, यानी लगभग 35फीसदी की बढ़ोतरी। इस तिमाही में कंपनी ने 16.77 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 23 फीसदी अधिक है।

कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी के कुल खर्च में भी तेज वृद्धि हुई, जो 11,621.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीरो मोटोकॉर्प के एक अ धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूत रफ्तार के साथ हुई है, जिसमें प्रीमियम, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम्प्यूटर सेगमेंट के साथ-साथ वैश्विक कारोबार में भी व्यापक वृद्धि देखी गई। कंपनी के पार्ट्स, एक्सेसरीज और मर्चेंडाइजिंग कारोबार से राजस्व पहली तिमाही में 1,689 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 30 फीसदी अधिक है।

नशा मुक्ति और हर घर तिरंगा के संदेश के साथ दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का समापन

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज द्वारा योध सिंह नामधारी महिला महाविद्यालय के सरस्वती सभागार में आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का समापन शुक्रवार को हुआ। समापन समारोह में पेंटिंग, क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के सचिव राकेश रंजन ने नशा मुक्ति अभियान में सभी की सक्रिय

भागीदारी की अपील की। उन्होंने नागरिकों को अपने मूलभूत कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. सत्यजीत गुप्ता ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति नियमित रूप से रक्तदान कर दूसरों का जीवन बचा सकता है।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मोहिनी गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

जैन समाज के अध्यक्ष श्री सरस जैन ने कहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति को अपने जीवन का संकल्प बनाने का आह्वान किया।

यूथ आइकॉन श्री विकास स्वदेशी ने कहा कि नीलांबर-पीतांबर की धरती से शुरू हुई नशा मुक्ति की यह पहल निश्चित रूप से सफल होगी। उन्होंने सामूहिक प्रयासों से नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करने पर बल दिया। केंद्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्री गौरव कुमार पुष्कर ने सभी अतिथियों, महाविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, छात्राओं एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों को जन-जन तक पहुंचाना है।

समापन समारोह के दौरान महाविद्यालय की एनएसएस समन्वयक डॉ सुप्रिया सोनालिका ने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्राओं ने तिरंगा रैली निकालकर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। अतिथियों ने महाविद्यालय परिसर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छात्राओं ने देशभक्ति गीत ह्देश मेरा रंगीलाह्व पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, कॉलेज की छात्राओं ने स्वयं तैयार किए गए ह्नशा छोड़ोह्व विषयक नाटक का प्रभावशाली मंचन कर नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया। रंगकर्मी श्री सैकत चटर्जी के नेतृत्व में मासूम आर्ट ग्रुप के कलाकारों ने गीत और नाटक के माध्यम से संबंधित विषयों पर कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। समापन समारोह में डालसा के संतोष पांडेय, प्रख्यात रंगकर्मी श्रीमती मुनमुन चक्रवर्ती, क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार, शिक्षिकाएं डॉ. सुप्रिया सोनालिका एवं डॉ. मिनी टुडू सहित बड़ी संख्या में छात्राएं, कलाकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीएसपीएमयू में नवनामांकित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

कुलपति ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

बिभा संवाददाता

रांची: डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची के नए प्रशासनिक भवन स्थित रवींद्र नाथ टैगोर सभागार में स्नातक के नवनामांकित विद्यार्थियों के लिए दो सत्रों में इंडक्शन प्रोग्राम सह छात्र प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र पूर्वाह्न 11 बजे बीबीए और बीसीए के विद्यार्थियों के लिए तथा दूसरा सत्र हिंदी, भूगोल, गणित और लोक प्रशासन के नए विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुआ।

दोनों सत्रों की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. राजीव मनोहर ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज से विश्वविद्यालय आपकी एक नई यात्रा का साक्षी बनेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा का लक्ष्य केवल डिग्री पाना नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता को साबित करना होना चाहिए। उन्होंने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचारों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को नवाचार, अनुसंधान, सामाजिक संवेदनशीलता और उत्कृष्टता को जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया।

समारोह के दौरान कुलपति डॉ. राजीव मनोहर ने उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा न करने की शपथ दिलाई और स्वस्थ व नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया। इसके साथ ही कुलपति, डीएसडब्ल्यू डॉ. सर्वोत्तम कुमार और प्रॉक्टर डॉ. अजय चौधरी ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) वितरित किए। कुलसचिव डॉ. धनंजय द्विवेदी और डीएसडब्ल्यू डॉ. सर्वोत्तम कुमार ने अनुशासन, समयबद्धता, नैतिक मूल्यों और नियमित अध्ययन की सलाह दी। प्रथम सत्र में वोकेशनल स्टडीज की समन्वयक डॉ. रजनी कुमारी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक डॉ. जे.पी. शर्मा, डॉ. नमिता लाल और डॉ. जाफर अब्बास ने भी विचार व्यक्त किए।

दूसरे सत्र में कुलानुशासक डॉ. अजय चौधरी, भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. अभय कृष्ण सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. शुचि संतोष बरवार, वित्त पदाधिकारी डॉ. अनीता मेहता और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जिंदर सिंह मुंडा ने विद्यार्थियों को नियमावली और शैक्षणिक व्यवस्था से परिचित कराया।

विश्वविद्यालय के अन्य सभी विभागों में भी विभागाध्यक्षों के नेतृत्व में इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, नई शिक्षा नीति के तहत मेजर-माइनर पेपर और क्रेडिट सिस्टम की विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह जानकारी पीआरओ डॉ. राजेश

संक्षिप्त खबरें

71वें विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2026: धनबाद मंडल ने जीता महाप्रबंधक ओवरऑल एफिशिएंसी शील्ड, कुल 22 पुरस्कारों पर जमाया कब्जा

धनबाद(बिभा): पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा (पटना) स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने वर्ष 2026 के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। इस समारोह में धनबाद मंडल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। बेहतर कार्य निष्पादन, सुरक्षा, समयपालन, स्वच्छता एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए धनबाद मंडल को कई शील्ड प्रदान की गईं। धनबाद मंडल को उत्कृष्ट कार्य दक्षता के लिए प्रतिष्ठित महाप्रबंधक ओवरऑल एफिशिएंसी शील्ड से नवाजा गया। इसके साथ ही कार्मिक शाखा दक्षता, बेस्ट फ्रेट डिपो (बरवाडीह), सर्वोत्तम आपदा प्रबंधन दक्षता, सी एंड डब्लू एफिशिएंसी, टेलीकॉम दक्षता, कार्य दक्षता, सुरक्षा, बेस्ट इलेक्ट्रिक लोको शेड (पतरातू), बिजनेस डेवलपमेंट, नॉन-फेयर रेवेन्यू, कमर्शियल एफिशिएंसी, बिल रिकवरी, ट्रैक मशीन, इंजीनियरिंग दक्षता, बेस्ट हेल्थ यूनिट (चोपन), मेडिकल एफिशिएंसी, माल ढुलाई दक्षता, टर्मिनल दक्षता, पी.सी.ओ.एम. समग्र दक्षता, कानूनी दक्षता और स्काउट्स एंड गाइड्स शील्ड से भी सम्मानित किया गया। धनबाद मंडल ने कुल 22 शील्ड पर कब्जा जमाया, जिनमें से 9 शील्ड संयुक्त रूप से अन्य मंडलों के साथ प्राप्त हुईं। इसके अलावा मंडल के 3 अधिकारियों और 15 कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से महाप्रबंधक स्तरीय ह्विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2026ह्व प्रदान किया गया। इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित मंडल के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आसनसोल मंडल में ट्रैफिक ब्लॉक: 15 और 18 अगस्त को रद्द रहेंगी चार मेमू ट्रेनें

आसनसोल(बिभा): पूर्वी रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत डीसीओपी-दुगार्पुर (डाउन लाइन-1) खंड में पीक्यूआरएस अनुरक्षण कार्य के सुचारू संचालन हेतु ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक शनिवार, 15 अगस्त और मंगलवार, 18 अगस्त 2026 को दोपहर 2:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक (साढ़े तीन घंटे) प्रभावी रहेगा। इस तकनीकी कार्य के कारण 15 और 18 अगस्त 2026 को 63522 आसनसोल-बर्धमान मेमू, 63515 बर्धमान-आसनसोल मेमू, 63524 आसनसोल-बर्धमान मेमू और 63517 बर्धमान-आसनसोल मेमू ट्रेनें अस्थायी रूप से रद्द रहेंगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इन ट्रेनों के अस्थायी निरस्तीकरण को ध्यान में रखते हुए ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए रेलवे ने खेद जताया है।

धनबाद-आलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस का आद्रा मंडल के पुनदाग स्टेशन पर ठहराव

हाजीपुर(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के बोकारो-मुरी रेलखंड पर स्थित पुनदाग स्टेशन पर गाड़ी सं. 13351/13352 धनबाद-आलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस का तत्काल प्रभाव से प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी सं. 13351 धनबाद-आलप्पुझा एक्सप्रेस 13.31 बजे पुनदाग स्टेशन पहुंचेगी और 13.32 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाड़ी सं. 13352 आलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस 07.39 बजे पुनदाग स्टेशन पहुंचेगी और 07.40 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

नाम जोड़ने व संशोधन के लिए 8 और 9 अगस्त को लगेगा विशेष शिविर

पलामू(बिभा): विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत पलामू जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 8 और 9 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें पात्र नागरिक मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने, विवरण में सुधार कराने तथा मतदान केंद्र से संबंधित बदलाव के लिए आवेदन कर सकेंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बताया कि जिन नागरिकों की आयु 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूरी हो रही है या हो चुकी है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं, नाम-पता में संशोधन, एक ही केंद्र पर परिवार के नाम शिफ्ट कराने या नए मतदाता पहचान पत्र के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

जिंदल स्टील पतरातू में ओ.पी. जिंदल की 96वीं जयंती मनाई गई: सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का लिया गया संकल्प

बिभा संवाददाता

पतरातू: जिंदल स्टील पतरातू में संस्थापक एवं प्रख्यात उद्योगपति स्वर्गीय श्री ओ.पी. जिंदल की 96वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और जनसेवा के संकल्प के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाप्रबंधक संतोष कुमार ने अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री ओ.पी. जिंदल का संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण, उद्योग, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा को समर्पित रहा। उनका मानना था कि मजबूत उद्योग केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि समाज के समग्र उत्थान की आधारशिला हैं।

समारोह का शुभारंभ हनुमान मंदिर में पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद जिंदल क्लब में 'जिंदल आशा' के बच्चों के साथ केक काटकर जयंती मनाई गई। सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) के तहत कुरसे गांव में किसानों की सिंचाई सुविधा के लिए सोलर पंप का उद्घाटन किया गया।

इसके साथ ही, जिंदल फाउंडेशन की गर्ल्स फुटबॉल टीम को खेल सामग्री वितरित की गई और तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय बालिकाओं ने हिस्सा लिया। बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में लंगर (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया गया। ओ.पी. जिंदल स्कूल तथा ओ.पी. जिंदल कम्युनिटी कॉलेज में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में एचआर प्रमुख मीनू सिंह, आर.डी. शर्मा, प्रवीण कुमार, कुमार राहुल, अभय सिंह, अभय मित्तल, राजीव, रत्नेश कुमार, डॉ. संजीव द्विवेदी, डॉ. मंजू मिश्रा, डॉ. अभिषेक कुमार, बिजेंद्र मलिक, कुरसे मुखिया संदीप उरांव, अंबुज महतो, रामेश्वर गोप, सोमिया श्री जेना, दीपक, विनोद सिंह, संतोष चौधरी, संबित साहू सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

रेल यात्रा के दौरान कैटरिंग सेवा में सुधार: गुणवत्ता व स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर रेलवे ने वसूला 5.13 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और उच्च गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए लगातार कड़े कदम उठा रहा है। पिछले तीन वर्षों के दौरान खाने की गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों व लाइसेंसधारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए आईआरसीटीसी ने 5.13 करोड़ का जुमार्ना लगाया है। इसके अलावा 54 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, 6 अनुबंध रद्द किए गए और नियमों का पालन न करने वाले लाइसेंसधारियों को प्रतिबंधित भी किया गया है।

भारतीय रेलवे हर साल औसतन करीब 58 करोड़ यात्रियों को खाना परोसता है। रेलवे के अनुसार, कैटरिंग से जुड़ी शिकायतें कुल आपूर्ति की तुलना में बेहद कम, यानी औसतन केवल 0.0008 प्रतिशत ही दर्ज की जाती हैं। शिकायतों के निस्तारण और नियमों के पालन के लिए आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रतिबंधित लाइसेंसधारियों की सूची भी सार्वजनिक की जाती है।

रेलवे तथा आईआरसीटीसी के अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा ट्रेनों, बेस किचन व पैंट्री कारों की नियमित तथा औचक जांच की जाती है। इस निगरानी प्रक्रिया के तहत आधुनिक बेस किचन की स्थापना की गई है, जहाँ सीसीटीवी कैमरों के जरिए खाना पकाने की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाती है। साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए केवल ब्रांडेड कच्चे माल का उपयोग, एफएसएसएआई सर्टिफिकेशन, नियमित पेस्ट कंट्रोल और थर्ड-पार्टी ऑडिट जैसी व्यवस्था लागू की गई है।

पारदर्शिता और यात्री जागरूकता बढ़ाने के लिए खाने के पैकेटों पर क्यूआर कोड की व्यवस्था शुरू की गई है, जिससे पैकिंग की तारीख, लाइसेंसधारी का नाम और एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर जैसी जानकारी मिलती है। इसके अतिरिक्त कैटरिंग स्टाफ को विनम्र व्यवहार, पर्सनल हाइजीन और सर्विस स्टैंडर्ड के लिए नियमित प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

यह पूरी जानकारी केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में प्रदान की।

विश्व आदिवासी दिवस पर टाउन हॉल में दिखेगी आदिवासी कला-संस्कृति की भव्य झलक

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को मेदिनीनगर स्थित टाउन हॉल में ह्यआदिवासी महोत्सवह्ण का भव्य आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के माध्यम से जिले की समृद्ध आदिवासी कला, संस्कृति, परंपरा एवं विरासत को प्रदर्शित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का संदेश दिया जायेगा। आदिवासी महोत्सव के अवसर पर सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया जायेगा। इसके पश्चात टाउन हॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न पारंपरिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी जायेगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं, लोककला एवं सांस्कृतिक विविधता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जायेगा।

कार्यक्रम स्थल के बाहरी परिसर में 10 विशेष स्टॉल लगाये जायेंगे, जिनके माध्यम से आदिवासी कला, संस्कृति, परंपरागत जीवनशैली एवं स्थानीय विरासत की झलक देखने को मिलेगी। इन स्टॉलों के माध्यम से आगंतुकों को आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सामुदायिक वन पट्टा का भी वितरण किया जायेगा। इसके माध्यम से पात्र समुदायों को उनके अधिकारों से जोड़ने एवं वनाधिकारों के संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को भी रेखांकित किया जायेगा।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया है। उन्होंने जिलेवासियों से भी कार्यक्रम में सहभागिता कर आदिवासी कला-संस्कृति एवं समृद्ध विरासत के उत्सव का हिस्सा बनने की अपील की है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित आदिवासी महोत्सव जिले में आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और विरासत को सम्मान देने तथा उसे व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

10 लाख के इनामी माओवादी सालुका कायम समेत तीन ने किया आत्मसमर्पण

दो महिला माओवादी भी मुख्यधारा में लौटीं, तीनों पर कुल 109 मामले दर्ज

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम में माओवाद विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के तीन सक्रिय सदस्यों ने शुक्रवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य सालुका कायम उर्फ सालुका उर्फ डांगिल उर्फ मारू उर्फ भुवनेश्वर कायम तथा दो महिला माओवादी पिंकी और कोदोमुनी कोड़ा शामिल हैं। तीनों के आत्मसमर्पण कोल्हान क्षेत्र में माओवादी संगठन के कमजोर पड़ते नेटवर्क के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने आत्मसमर्पण की पुष्टि करते हुए बताया कि तीनों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने मामले में विस्तृत जानकारी बाद में साझा किए जाने की बात कही।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, तीनों आत्मसमर्पित माओवादियों के खिलाफ

कुल 109 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें अकेले सालुका कायम के खिलाफ 96 मामले दर्ज हैं। सरकार ने उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के अनुसार, सालुका लंबे समय से कोल्हान क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों का प्रमुख संचालक रहा है और संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा का करीबी सहयोगी माना जाता है।

पुलिस ने बताया कि सालुका कायम वर्ष 2018 से 2026 के बीच सुरक्षा बलों पर हमले, आईईडी विस्फोट, मुठभेड़, रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने, निर्माण कार्यों में आगजनी, हत्या, अपहरण और लेवी वसूली से जुड़े कई मामलों में आरोपित रहा है। पुलिस का दावा है कि वह करीब 25 बड़ी माओवादी घटनाओं में प्रत्यक्ष रूप से शामिल रहा है।

पुलिस रिकॉर्ड में उसके खिलाफ दर्ज प्रमुख मामलों में मार्च 2026 में मारंगपोंगा-किनबीर क्षेत्र में मुठभेड़ और आईईडी विस्फोट में कोबरा जवानों के घायल होने की घटना, 2025 में जराइकेला क्षेत्र में हुए दो आईईडी विस्फोट, 2023 में टोंटो और गोइलकेरा क्षेत्र में हुए आईईडी धमाके तथा झारखंड जगुआर के सब-इंस्पेक्टर अमित तिवारी और आरक्षी गौतम कुमार की शहादत से जुड़ी मुठभेड़ शामिल हैं।

इसके अलावा वर्ष 2022 में पुलिस मुखबिरी के आरोप में हत्या, मुठभेड़ और आईईडी विस्फोट, वर्ष 2021 में लांजी जंगल में झारखंड जगुआर के तीन जवानों की हत्या, भारत बंद के दौरान रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने, ग्रामीणों की हत्या और वन विभाग की मशीनों में आगजनी के मामले भी उसके खिलाफ दर्ज हैं। वर्ष 2020 और 2018 में भी अपहरण, हत्या, पुलिस कैंप पर हमला, निर्माण कार्यों में लगी मशीनों में आगजनी और ग्रामीणों की हत्या जैसे गंभीर मामलों में उसका नाम सामने आया था।

पुलिस के मुताबिक, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और आसपास के इलाकों में पिछले कुछ महीनों से चलाए जा रहे लगातार अभियान, माओवादी नेताओं की गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण नीति का असर अब दिखाई देने लगा है। हाल में पश्चिमी सिंहभूम में 14 माओवादियों के आत्मसमर्पण के बाद सालुका कायम समेत तीन सक्रिय कैडरों का मुख्यधारा में लौटना संगठन के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि कोल्हान क्षेत्र में माओवादी संगठन का नेटवर्क लगातार सिमट रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले तीनों से पूछताछ के आधार पर सक्रिय माओवादियों, उनके ठिकानों, हथियारों और संगठन की गतिविधियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस की ओर से मामले में आगे विस्तृत जानकारी दिए जाने की संभावना है।

रांची विवि की नई पीएचडी और डी.लिट./डी.एससी. विनियमावली को राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने सराहा

बिभा संवाददाता

रांची: रांची विश्वविद्यालय में पीएचडी तथा डी.लिट. और डी.एससी. उपाधि विनियमावली के प्रारूप पर विचार-विमर्श एवं उसे अंतिम रूप देने के उद्देश्य से विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता नई दिल्ली स्थित एनआईईपीए के प्रोफेसर एवं निदेशक प्रो. पी. के. मिश्रा ने की।

बैठक में इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के प्रो. गुलशन धमीजा (सह-अध्यक्ष), केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के प्रो. बी. सी. महापात्र, गढ़वाल विश्वविद्यालय की प्रो. सीमा धवन, रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू प्रो. सुदेश कुमार साहू, संयोजक डॉ. मोहम्मद परवेज हसन और कुलसचिव डॉ. राजकुमार शर्मा उपस्थित रहे। बैठक के दौरान भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राज कुमार सिंह ने पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विनियमावली के प्रमुख प्रावधानों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय द्वारा तैयार विनियमावली की सराहना करते हुए कहा कि इसमें यूजीसी के पीएचडी विनियम 2022 के सभी आवश्यक प्रावधानों को समाहित किया गया है। राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने विशेष रूप से डी.लिट. और डी.एससी. जैसी उच्च शोध उपाधियों के लिए अलग से स्वतंत्र विनियमावली तैयार करने को एक दूरदर्शी एवं सराहनीय पहल बताया। बाह्य विशेषज्ञों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को अंतिम प्रारूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया, जिससे विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता, पारदर्शिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को और मजबूती मिलेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com